भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 244 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार 29 अगस्त 2021 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान

प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

'संकट बड़ा है, लेकिन हम पर गुरु कृपा' : पीएम मोदी

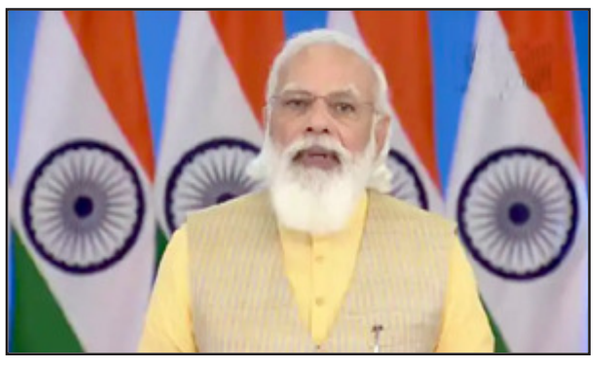

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां से भारतीयों को निकालने में मुश्किलें आई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इस बात जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि 'आज दुनियाभर में कहीं भी, कोई भी भारतीय अगर संकट से घिरता है तो भारत पूरे सामर्थ्य से उसकी मदद के लिए खड़ा हो जाता है। कोरोना काल हो या फिर अफगानिस्तान का संकट, दुनिया ने इसे निरंतर अनुभव किया है। ऑपरेशन 'देवी शक्ति' के तहत अफगानिस्तान से सैकड़ों साथियों को भारत लाया जा रहा है।' पीएम मोदी ने कहा कि भारतीयों को वहां से निकालने में मुश्किलें जरुर आईं लेकिन हमने मुश्किलों का सामना किया। पीएम मोदी ने कहा कि वहां चुनौतियां बहुत हैं, हालात मुश्किल हैं। गुरु कृपा भी हम पर बनी हुई है। हम लोगों के साथ पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप को भी शीश पर रखकर भारत लाए हैं। बीते वर्षो में हमने जिम्मेदारी को निभाने के लिए जी जान से प्रयास किया है। मानवता की जो सीख हमें गुरु साहिब ने दी थी उसे सामने रखकर हम हर परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जलियांवाला बाग स्मारक के पुनर्निर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया। यह ऐतिहासिक स्मारक पंजाब के अमृतसर में स्थित है। इस कार्यक्रम की शुरुआत में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। बीएसएफ की टुकड़ी ने अपने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने इस मौके पर शहीदों को नमन किया। आपको बता दें कि 13 अप्रैल साल 1919 को अंग्रेज अफसर जनरल डायर ने इसी जालियावाला बाग में मौजूद निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवा दी थी। इस फायरिंग में करीब 1300 लोगों की मौत हुई थी और 3600 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। जलियांवाला बाग का केंद्रीय स्थल माने जाने वाले 'ज्वाला स्मारक' की मरम्मत करने के साथ-साथ इसका पुनर्निर्माण किया गया है। यहां स्थित तालाब को एक 'लिली तालाब' के रूप में फिर से विकसित किया गया है, और लोगों को आने-जाने में सुविधा के लिए यहां के रास्तों को चौड़ा किया गया है।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के 7 साल पूरे, पीएम मोदी बोले- इसने भारत के विकास की गति बदल दी

नई दिल्ला (एजेंसी)। आज प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के सात साल पूरे हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के सात साल पूरे होने के अवसर पर शनिवार को कहा कि इस पहल ने ना सिर्फ भारत के विकास की गति को हमेशा के लिए बदल दिया है बल्कि इसने अनगिनत भारतीयों का वित्तीय समावेशन, सम्मान का जीवन और सशक्तीकरण सुनिश्चित किया है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, 'आज पीएम जन-धन योजना के सात साल हो रहे हैं। एक ऐसी पहल जिसने भारत के विकास की गति को हमेशा के लिए बदल दिया।

महाराष्ट्र : भाजपा.शिवसेना विवाद अब राणे.शिवसेना विवाद में हुआ तब्दील, सेना ने इसलिए बदली रणनीति

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना के बीच हुआ हालिया विवाद अब नारायण राणे बनाम शिवसेना का रुख अख्तियार करता दिखाई दे रहा है। शनिवार को जो कुछ हुआ उसको देखकर तो यही कहा जा सकता है। इस दिन राणे द्वारा शिवसेना नेताओं पर किए गए निजी हमलों का किसी भी वरिष्ठ भाजपा नेता ने बचाव नहीं किया। वहीं शिवसेना का रुख देखकर लगता है कि उसने भी लक्ष्य बना लिया है कि वह राणे पर तो हमला करेगीए लेकिन भाजपा पर टिप्पणी करने से बचेगी। गौरतलब है कि हाल ही में भाजपा की जन.आशीर्वाद यात्रा के दौरान नारायण राणे ने उद्धव ठाकरे पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद राणे को गिरफ्तार भी किया गया थाए लेकिन देर रात उन्हें जमानत मिल गई थी।

इस बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और विपक्ष के नेता देवेंद्र फणनवीस के बीच भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच राणे.भाजपा विवाद पर अहम चर्चा हुई है। वहीं मंगलवार को राणे की गिरफ्तारी के बाद दोनों पार्टियों के नेताओं ने पिछले दो दिनों में फिर से सामंजस्य बनाने की कोशिश की है। दोनों दलों के नेताओं ने कहा है कि उनमें किसी तरह का वैचारिक मतभेद नहीं है। इन बयानों के बाद माना जा रहा है कि राणे को दरकिनार करने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि भाजपा में भी एक वर्ग राणे की नफरतवादी और निजी हमले करने वाली राजनीति को पसंद नहीं करता है। ऐसे में माना जा रहा है कि ठाकरे और फणनवीस के बीच हुई बैठक में यही तय हुआ है कि दोनों दलों के बीच की प्रतिद्वंदिता निचले स्तर पर नहीं जानी चाहिए।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों की मानें तो शिवसेना नेतृत्व पर बहुत ज्यादा निजी हमले नुकसानदेह हो सकते हैं। अगर राणे लगातार ऐसा करते रहे तो वह जल्द ही भाजपा में अलग.थलग पड़ जाएंगे। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह सच है कि राणे शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ निजी हमले करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने भी शिवसेना और ठाकरे पर हमले किए हैंए लेकिन यह कभी निजी नहीं रहे। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की प्रतिक्रिया से भी यही जाहिर होता है कि पार्टी को राणे स्टाइल की राजनीति पसंद नहीं है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह भविष्य में शिवसेना के साथ गठजोड़ का कोई रास्ता बंद नहीं करना चाहते हैंए क्योंकि अगर यहां सत्ता में आना है तो शिवसेना ही पहला विकल्प होगी। इस भाजपा नेता ने यह भी कहा कि राणे का एपिसोड भाजपा के लिए बैकफायर भी साबित हो सकता है क्योंकि इससे शिवसेना को उसके वोटर बैंक की सहानुभूति मिल जाएगी।

वहीं शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि दोनों दलों के रिश्ते में तनाव सिर्फ राणे के चलते आया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को पूरे मामले में आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। जबसे राणे ने भाजपा ज्वॉइन किया हैए हर रोज पार्टी की छवि खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही भाजपा को एहसास होगा कि राणे को पार्टी में शामिल करना कितनी बड़ी गलती थी। उद्धव ठाकरे और फणनवीस के बीच कल ही बैठक थी। सभी जानते हैं कि उनके बीच क्या चर्चा हुई होगी। उद्धव ठाकरे ने जरूर वह बातें कही होंगीए जो कही जानी चाहिए।

अरमान कोहली के घर एनसीबी की रेड में ड्रग्स बरामदए हिरासत में अभिनेता

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता व बिग बॉस 7 में नजर आ चुके अरमान कोहली ;।तस्ंह ख्द्पत्ंद्ध के जुहू स्थित घर पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ;ग्रँद्ध ने छापेमारी की है। वहीं न्यूज एंजेंसी एएनआई के ट्वीट के मुताबिक अभिनेता के घर से ड्रग्स भी बरामद हुआ हैए जिसके बाद अब अरमान से एनसीबी ऑफिस में पूछताछ की जाएगी। एएनआई के ट्वीट के मुताबिक अरमान के घर पर रेड मारी गई है। वहीं अपडेट देते हुए आगे बताया गया कि रेड में अरमान कोहली के घर पर ड्रग्स बरामद हुआ है। जिसके बाद अब एनसीबी के ऑफिस में अभिनेता के साथ पूछताछ की जाएगी। एनसीबी के मुंबई जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने बताया कि रेड के बाद अरमान कोहली ने एनसीबी के सवालों के सही. सही जवाब नहीं दिए। इसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। बता दें कि अरमान का विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले एक बार अरमान को अवैध शराब रखने चलते आबकारी विभाग ने गिरफ्तार किया गया था। बताया गया था कि अरमान के घर पर महंगी स्कॉच की 41 बोतलें बरामद हुई थीं।

काबुल के बाद अब भारत पर आतंकियों की नजर

दिल्ली समेत उत्तर भारत में हमले की फिराक में यह तिकड़ी

नई दिल्ला (एजेंसी)। काबुल एयरपोर्ट पर हुए बम धमाकों के बाद दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में एक्यूआईएस, आईएसकेपी और हक्कानी नेटवर्क की तिकड़ी से खतरे का खुफिया अलर्ट जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कुख्यात आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रोविंस (आईएसकेपी), अलकायदा इन इंडियन सबकांटिनेंट (एक्यूआईएस) और हक्कानी नेटवर्क से सतर्क रहने की जरूरत है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान आधारित इन संगठनों की तिकड़ी देश में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में जुटी है। इसके लिए पाकिस्तानी खुफिया इकाई (आईएसआई) इनके साथ मिलकर साजिश रच रही है। दरअसल, अफगानिस्तान के बिगड़ते हालात और आईएसआई के विभिन्न आतंकी संगठनों के साथ उसकी बढ़ती नजदीकी के मद्देनजर देश की तमाम खुफिया इकाइयां इस वक्त इस तरफ पैनी नजर रखे हुए हैं। खुफिया इकाइयों को पता चला है कि आतंकी संगठनों जरिए आईएसआई नापाक साजिश रच रही है। उसका मकसद इन संगठनों के लड़ाकों के जरिए देश में वारदात को अंजाम देना है। इस तिकड़ी के लड़ाकों के निशाने पर महत्वपूर्ण सिक्योरिटी इंस्टॉलेशन और आर्मी की फॉरवर्ड पोस्ट हैं। इसके अलावा आतंकी जवानों को भी निशाना बना सकते हैं। यह खुफिया अलर्ट देश की सीमा सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियों समेत तमाम दूसरी सुरक्षा एजेंसियों को भेजा गया है। सुरक्षा एजेंसियों को पता चला है कि आतंकी संगठनों की यह तिकड़ी मैसेजिंग एप के जरिए अपने सदस्यों के संपर्क में है। इसका मकसद सुरक्षा एजेंसियों की नजरों में आने से बचना है। एक्यूआईएस, यानी अल-कायदा इन इंडियन सबकांटिनेंट। यह संगठन कोर अलकायदा से अलग तरीके से काम करता है। इसकी स्थापना पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास की गई थी। यह संगठन विभिन्न देशों में स्लीपर सेल की मदद से स्थानीय नेटवर्क के जरिए संगठन में नौजवानों की भर्ती करता है। इसके कुछ आतंकी सीरिया भी भेजे गए हैं। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस संगठन को आईएसआई का पूरा सहयोग है।इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) इस्लामिक स्टेट (आईएस) का ही एक रूप है। खुफिया इकाइयों की मानें तो इस संगठन में अधिकतर पाकिस्तानी शामिल हैं। इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रोविंस (आईएसकेपी) को आईएसआईएस-के नाम से भी जाना जाता है। इसके पास 1500 से 2200 आतंकी लड़ाके होने का अनुमान है। इसकी स्थापना भी पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास की गई थी। हक्कानी नेटवर्क के पास बड़े हमलों को अंजाम देने वाले कुशल लड़ाके हैं।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर पर एक और एफआईआर, पत्नी नूतन पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ (एजेंसी)। आपको बता दें कि दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के बाहर रेप पीड़िता के आत्मदाह करने के मामले में हजरतगंज पुलिस ने शुक्रवार को पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें गोमतीनगर आवास से जीप पर बैठाकर हजरतगंज कोतवाली लाया गया था। उनके व बसपा सांसद अतुल राय के खिलाफ शुक्रवार को ही एसएसआई दयाशंकर द्विवेदी की तहरीर पर आत्महत्या के लिये उकसाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर एसआईटी की जांच कमेटी की रिपोर्ट पर की गई। रिपोर्ट में बसपा सांसद अतुल राय और अमिताभ ठाकुर को दोषी पाया गया है। बसपा सांसद रेप के इसी मामले में दो साल से नैनी जेल में बंद हैं। अमिताभ को पुलिस की कड़ी सुरक्षा में देर शाम अदालत में पेश किया गयाए जहां प्रभारी सीजेएम सत्यबीर सिंह ने उन्हें नौ सितंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

यूपीरू सड़क नहीं बनी तो लोगों का फूटा गुस्साए यूपी के मंत्री को गाड़ी से नीचे उताराए फिर कीचड़ में पैदल चलवाया

बिना कुछ बताये घर से बुलायाए फिर जबरन जीप पर बैठा ले गए रेप पीड़ता को आत्मदाह के लिये उकसाने के आरोपी सांसद अतुल राय और पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में 27 अगस्त की दोपहर 1रू32 पर एफआईआर दर्ज करायी गई। इसके एक घंटे बाद यानी करीब ढाई बजे ही गोमती नगर कोतवाली से पुलिस बल उनके आवास पर पहुंचा और उन्हें जबरन जीप पर बैठा कर ले आया गया। उन्हें गोमतीनगर से हजरतगंज कोतवाली ले जाया गया। कोतवाली में उनकी पत्नी नूतन ठाकुर भी पहुंच गई। उनकी इस तरह से गिरफ्तारी को लेकर पुलिस से कहासुनी भी हुई। अमिताभ बोले.एफआईआर कॉपी दोए तब जायेंगे इससे पहले जब गोमतीनगर पुलिस उनके घर पर पहुंची तो उन्हें एफआईआर के बारे में नहीं बताया गया। पुलिस ने उन्हें बाहर बुलायाए फिर अपने साथ चलने को कहा। उन्होंने इसकी वजह पूछी तो पुलिस पहले कुछ नहीं बोली। परए बाद में बताया कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

बांग्लादेश में 2 नावों की टक्कर, 22 लोगों की मौत; मालवाहक नौका का चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में 2 नावों की टक्कर से भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक यात्री नौका और एक मालवाहक नौका के बीच टक्कर में यात्री नौका के डूब जाने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। नौका पर 100 से अधिक लोग सवार थे। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि मालवाहक नौका के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजधानी ढाका से 82 किलोमीटर दूर ब्रह्मनबारी जिले में एक बड़े जलाशय में नौका शुक्रवार की शाम को डूब गई। जिले के अग्निशमन सेवा एवं सिविल डिफेंस के अधिकारी एमोन सरकार ने कहा कि करीब 24 घंटे की तलाशी अभियान के बाद किसी भी यात्री के लापता होने की संभावना नहीं है। स्थानीय अधिकारियों के हवाले से शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 50 यात्री लापता हैं।

सरकार ने फोन पर बातचीत में बताया, ''हो सकता है कि कई लोग तैरकर सुरक्षित निकल गए होंगे। यात्रियों की कोई सूची नहीं थी। आज कोई भी व्यक्ति लापता लोगों के बारे में हमसे पूछने नहीं आया।' बांग्लादेश में 230 नदियां हैं और इन नदियों से यात्रियों तथा सामान का परिवहन बड़े पैमाने पर किया जाता है। सरकार ने कहा कि नौका आधी डूबी हुई है और रविवार को इसे तट पर लाया जा सकता है। इससे पहले इस हादसे को लेकर शुक्रवार को जो खबर आई थी उसमें कहा गया था कि बांग्लादेश के मध्य ब्राह्मणबाडिया में तीताश नदी में इंजन से चलने वाली एक यात्री नाव के डूब जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों लोगों के लापता होने की आशंका उस वक्त जताई गई थी। हालांकि, अब मृतकों की संख्या 22 हो गई है।

खबर संक्षेप

सिलिका लदी ट्रैक्टर-ट्राली सहित एक गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने अवैध तरीके से सिलिका सैंड के खनन और परिवहन में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली भी बरामद की है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के घोंद गांव के पास से छत्रपाल सिंह पुत्र स्व. छोटेलाल सिंह (निवासी गाढ़ा कटरा, शंकरगढ़) को अवैध रूप से सिलिका लदी एक ट्रैक्टर-ट्राली के साथ गिरफ्तार किया गया है।

मिक्सर प्लांट में बीती रात 3 सोलर बैटरी चोरों ने किया पार

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के थानापुर सेमरी गांव में शुक्रवार की रात मिक्सर प्लांट में लगा सोलर लाइट का 3 बैटरा अज्ञात चोरों ने मौका पाकर उठा ले गए। नवभारत ट्रेडिंग कंपनी का मिक्सर प्लांट सेमरी गांव में लगा हुआ है जिसमें रात में उजाले की व्यवस्था के लिए कंपनी ने सोलर लाइट की व्यवस्था की है। जिसमें शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने प्लांट के अंदर घुस कर जिस रूम में सोलर बैटरा रखा हुआ था उस रूम का दरवाजे का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए और 2000 ए एम एच का 3 बैटरा जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपए का था। चोरों ने मौका पाकर उठा ले गए। प्लांट मैनेजर राजकमल तिवारी ने बताया कि मिक्सर प्लांट में आए दिन रात में कुछ न कुछ चोरी की घटना होती रहती है।

मेजा क्षेत्र में जुआरियों पर चला पुलिस का डंड़ा कई गिरफ्तार

अखंड भारत सन्देश

पुलिस टीम ने पकड़ा जुआडियों का गैंग एक साथ पकड़े कई जुआरी।

सिरसा/मेजा। मेजा क्षेत्र में शुक्रवार को पुलिस के द्वारा जुआरियों पर जबरदस्त डंडा चलाया गया। जिसमें जुआ खेल रहे दस लोगों को मॉडफंड रुपए व ताश की गड्डी के साथ दबोच लिया गया। पुलिस कप्तान प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षीत व सीओ मेजा डॉ भीम कुमार गौतम के आदेशों का पालन करते हुए कोतवाल मेजा अरुण चतुवेर्दी ने पुलिस टीम गठित करके क्षेत्र के परानीपुर मे जुंआरी शिव कुमार निषाद पुत्र जयनारायण निषाद निवासी बारादशरथपुर, प्रवीण शुक्ला पुत्र स्व. विनय शुक्ला निवासी परानीपुर, कमलेश सिंह पुत्र स्व. त्रिवेणी सिंह निवासी विशेनपुर, लालमन पुत्र स्व. मोतीलाल निवासी परानीपुर, सुरेश चंद्र पुत्र राधेश्याम निवासी परानीपुर, अनिल कुमार पुत्र स्व. आशाराम निवासी परानीपुर, भीमसेन पुत्र विशाल बाबू निवासी परानीपुर, अनिल कुमार पुत्र स्व. जयसिंह निवासी डोहरिया, कौशलेश पुत्र स्व. राधेश्याम सिंह निवासी डोहरिया व राजमणि पुत्र स्व. बेनी माधव निवासी परानीपुर थाना मेजा को गिरफ्तार करते हुए कब्जे से मालफड़ 13 सौ रुपए व माल जामातलाशी के एक हजार रुपए सहित कुल 23 सौ रुपए व 52 ताश के पत्ते बरामद किया। जिसके संबंध में थाना मेजा पर मुकदमा अपराध संख्या 464/21 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधि० पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे चौकी प्रभारी कोहड़ार विनोद कुमार सिंह, चौकी प्रभारी मेजारोड पंकज कुमार त्रिपाठी, दरोगा अतुल कुमार मिश्रा, कांस्टेबल प्रांशु कुमार, हेड कांस्टेबल रामधनी, कांस्टेबल अरविंद चौबे, कांस्टेबल धीरज, महिला कांस्टेबल पूजा यादव, महिला कांस्टेबल अंशू शामिल रहे। गिरफ्तार जुआरियों को जेल भेज दिया गया।

अपहृत तीन लड़कियां बरामद शुक्रवार को हुआ था अपहरण

अखंड भारत संदेश

डूडा कालोनी से अपहृत की गई बालिकाओं को पुलिस ने किया बरामद

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ थाना पुलिस में अपहृत की गई तीन लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया है। यह बरामदगी अपहरण के महज 15 घंटे के भीतर कर ली गई। पूछताछ के बाद तीनों बालिकाओं को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। यह मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या दो, डूडा कालोनी का है।

बताया जाता है कि शुक्रवार की रात डूडा कालोनी की तीन लड़कियों का अपहरण कर लिया गया। मामले की सूचना मिलते ही सक्रिय हुई शंकरगढ़ पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी। परिजनों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने जांच पड़ताल जारी रखी और सर्विलांस टीम से मिली मदद के आधार पर शनिवार को तीनों को सकुशल बरामद कर लिया गया।

एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि बरामद तीनों लड़कियों की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है। इस मामले में धारा 363 के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस आपरेशन में सर्विलांस प्रभारी एसएचओ संजय सिंह अपनी पूरी टीम के साथ लगे रहे। इसके अलावा एसओ कुलदीप कुमार तिवारी, अर्जुन यादव, शशिकला यादव, पिंकी यादव, लक्ष्मी यादव और महिला कांस्टेबल आरती भी शामिल रहीं।

जसरा में रेलवे फाटक टूटने से लगा भीषण जाम, यात्री हलाकान

जसरा रेलवे फाटक टूटने के बाद लगा भीषण जाम

जसरा। प्रयागराज-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जसरा रेलवे फाटक को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारकर तोड़ देने के बाद फाटक के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग गई। सुबह आठ बजे से लगा जाम दोपहर दो बजे फाटक बनने के बाद खुला। जसरा रेलवे फाटक पर सुबह आठ बजे किसी अज्ञात वाहन ने फाटक पर जोरदार टक्कर मार कर फाटक तोड़ दिया। फाटक के टूटने से वाहनों की लगभग दो किलोमीटर लाइन लग गई। दोनों ओर लगभग आधा दर्जन मरीजों को लेकर इलाज के लिए जा रही एम्बुलेंस जाम में घंटों फंसे रहे। सुबह से लगा जाम दोपहर बाद लगभग दो बजे फाटक बनने के बाद खुला तो जाम में फंसे लोगों ने राहत की सांस ली।

व्यक्ति के व्यक्तित्व और कृतित्व को उसके ना रहने के बाद ही किया जाता है याद : अरुण तिवारी

घूरपुर। व्यक्ति के व्यक्तित्व और कृतित्व को उसके ना रहने के बाद ही याद किया जाता है । उक्त बातें कांग्रेस के यमुनापार जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी ने परसरा गांव में पत्रकार व शिक्षक स्व पंडित राम मूर्ति त्रिपाठी की पुण्यतिथि के मौके पर शुक्रवार की शाम कही ।आगे उन्होंने कहा कि स्व राम मूर्ति त्रिपाठी जी का शिक्षा के साथ साथ पत्रकारिता क्षेत्र में अमर गाथा के रूप में याद किया जाएगा । कार्यक्रम के पूर्व उन्होंने स्व राममूर्ति त्रिपाठी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया । इस मौके पर स्व राममूर्ति त्रिपाठी के द्वय पुत्रो अविनाश त्रिपाठी व आशीष त्रिपाठी ने गांव की सैकडों गरीब महिलाओं को वस्त्र व नकदी वितरण किया। कार्यक्रम में अनिल मिश्र, अशोक पाठक, बाबा पांडेय, आलोक पाठक, बचानी पाठक, भैयाजी पाठक, अविनाश मिश्र, संदीप तिवारी, गुलशन पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

थाना दिवस में तहसीलदार ने सुनीं समस्याएं

थाना दिवस में एस समस्याएं सुनते तहसीलदार कोरांव

थाना दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनते एसडीएम

अखंड भारत संदेश

कोराव। थाना दिवस कराव में तहसीलदार कोरांव शर्मा जी ने फरियादियों की फरियादे सुनीं। और समाधान के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने बतौर प्रभारी अधिकारी थाना दिवस जमीन संबंधित विवादों को त्वरित गति से निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने ग्राम अल्हवा में भू माफियाओं से संबंधित शिकायतों पे राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ अनाधिकृत ग्राम समाज की जमीनों पर चेतावनियों के बाव जूद सरहंगाईं से फसल बोने के आरोप में ट्रैक्टर से फसल नस्ट भी करवाया। उन्होंने विभिन्न मामलो में आए फरियादियों की समस्याएं सुनी। फौरन एक्शन लेने में माहिर तहसीलदार की कार्यप्रणाली से जनता में खुशी देखी गई।

भू माफियाओं के खिलाफ लिया सख्त एक्शन

एसडीएम ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

करछना। थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस के अवसर पर उप जिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडे ने सुनी क्षेत्र से आए हुए फरियादियों की जन समस्याएं सुनी और निस्तारण का निर्देश दिया ।इस मौके पर थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह सहित राजस्व विभाग के लेखपाल उपस्थित रहे हैं।

भू अतिचारियों पर कार्यवाही शुरू

अनाधिकृत ग्राम समाज की जमीनों पे फसल नस्ट कराते राजस्व विभाग की टीम

कोटेदार अल्हवा ने भूमि प्रबंधक समिति के हिदायत के बावजूद जबरन ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर दिया था धान की रोपाई

तहसील प्रशासन के निर्देश पर राजस्व और पुलिस टीम ने प्रधान के नेतृत्व में अनाधिकृत फसल को किया गया नष्ट हरकंप

डा. मो. शमीम

पसना। भूमि प्रबंधक समिति अल्हवा कोरांव द्वारा भू माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेतावनी व डुग्गी पिटवा कर दी गई हिदायतों के बावजूद अवैध कब्जा न छोड़ने वालों पर कारवाई शुरू कर दी है। ग्राम पंचायत अल्हवा में पच्छासों बीघा जमीनें भू माफियाओं ने गैर कानूनी तरीके से कब्जा कर रखा है। जिस बाबत हल्का लेखपाल तथा ग्राम प्रधान शहजादे ने जमीनें खाली करने की चेतावनियां दी थी। किन्तु इसके बावजूद भी काफी लोग तो मान गए किंतु ग्राम अल्हवा के कोटेदार लाल बहादुर पाल द्वारा जबरजस्ती उक्त जमीन कब्जा कर ली,और अन्य लोगों को भी उकसाया। इस विषय में प्रधान सहजादे पत्रकार ने तहसील प्रशासन से शिकायत कर रखी थी। कुछ अतिचारियो ने लेखपाल और प्रधान को यह चेतावनी दी थी कि ए सब मेरा क्या कर लेंगे। प्रभारी अधिकारी थाना समाधान दिवस २८ अगस्त को तहसीलदार कोरांव ने राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ सेर पुस्ती करने वालों के खिलाफ मौके पर जा कर जबरन अनाधिकृत बोई गई फसल को नस्ट करने का आदेश दिया। जिस पर राजस्व टीम और पुलिस फोर्स ने प्रधान और सदस्यों तथा ग्रामीणों की मौजूदगी में फसल ट्रैक्टर द्वारा नस्ट की गई। और शेष अतिचारियों को चेतावनियां दी गई। तथा कोटेदार के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने का आदेश दिया। टीम ने अन्य सार्वजनिक ग्राम समाज नाला आदि की जमीनें कब्जा कताओं को दो दिन के अंदर खाली करने की मौखिक नोटिस दी। ग्राम प्रधान ने बताया कि ग्राम समाज के गरीब और पात्र भूमिहीनों को पट्टे दिए जाने की कार्यवाही चल रही है। और कुछ जमीनें विद्यालय,खेलकूद मैदान,विवाह घर,आदर्श वाटिका हेतु सुरक्षित की जा रही है। और निर्माण कार्य हेतु प्रस्तावित की गई। जिससे ग्राम का समग्र विकास हो। कोटेदार और उसके पुत्र द्वारा राजस्व टीम के चले जाने के बाद तरह तरह की लोगों के बीच धमकियां दी गई। जिसकी सूचना सक्षम तंत्र को दे दी गई।

फिलहाल ग्राम प्रधान शहजादे सोशल एक्टिविस्ट ने बताया कि किसी भी दशा में गांव में अराजकता व शांति ब्यवस्था भंग नहीं होने दी जाएगी। किसी भी भू माफिया को अनाधिकृत रूप से सार्वजनिक जमीनें कब्जा करने की सहूलियतें नहीं मिलेगी। ऐसी जमीनों से गांव की तस्वीर बदलेगी। और विकास होगा। प्रधान ने बताया कि मेरे गांव में कुछ अराजक तत्व सरहंगई से पेश आना चाहते हैं। उनके मंसूबे नही सफल होंगे। उन्होंने बताया कि कुछ फर्जी पत्रकार और जिला अपराध निरोधक समिति के कथित लोग गांव में बगैर मेरे संज्ञान में घुसे और लोगों का शोषण किया तो उन्हे विधिवत सबक सिखाया जाएगा। अन्यथा मेरे अनुमति के बगैर मेरे ग्राम पंचायत में कोई घुसा और मनमानी की या अप्रिय वारदात हुई तो वह और बुलाने वाला व्यक्ति खुद जिम्मेदार होगा। और वह दुबारा गांव में मेरे झांकेगा नहीं।

न्यूज झरोखा - हल छठ पूजा

महिलाओं ने उपवास रखकर किया हलछठी मैया की पूजा अर्चना

करछना क्षेत्र में छठ पूजा करतीं महिलाएं

करछना। ढोल नगाड़े के साथ पुत्रवती महिलाओं ने विधि विधान से पुत्र की दीघार्यु के लिए हर छठी मैया का किया पूजा। भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि दिन शनिवार को हरछठ व्रत के रूप में मनाया गया। क्षेत्र में पुत्रवती महिलाओं ने कुस बैर व छ्यूल की टहानियां जमीन में गाड़ कर उस में कुंड बनाया। जिसके बाद कुंड में पानी डालकर महुआ व अन्य कई प्रकार के भरसाय (भड्डी) में भूने गए अनाज को महुआ पत्ते के दोना व मिट्टी के कुल्हड़ में डालकर मुहूर्त के अनुसार विधि विधान से पूजन अर्चना किया। व्रती महिलाओं ने अपने पुत्र की दीघार्यु के लिए हरछठ महारानी से श्रद्धा भाव से कुंड के पास माथा टेक कर मन्नते मांगी। इस दिन व्रती महिलाओं ने महूआ के टहनियों का दातुन किया। व्रत रखने वाली महिलाएं बिना हल चलें धरती का अन्न को पकाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया । जिसमें पसई के चावल, भैंस का दूध दही, महुआ आदि वस्तुओं का सेवन किया। इस त्यौहार को अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से जाना जाता है। यह त्यौहार श्री कृष्ण के बड़े भाई बलराम जी के जन्मोत्सव के रूप में पूरे भारतवर्ष मनाया जाता हैं। आज के दिन बलराम जी का जन्म हुआ था। बलराम जी का मुख्य शस्त्र हल है। इसलिए इस व्रत को हलछठ भी कहते हैं। इस व्रत में हल से उगाए गए अनाज व सब्जियों का सेवन नहीं किया जाता है। इस लिए महिलाएं इस दिन तालाब व नदी में उगे पसई का चावल खाकर व्रत रखती है। इस व्रत में गाय का दूध व दही का उपयोग नहीं किया जाता है । भाद्र कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हरछठ का व्रत रह कर पूजन किया जाता है। शनिवार को करछना क्षेत्र के कचरी, देवरी, अंतहिया, महोरी रीवा,चंदौली, प्रतापपुर ,घीशन का पूरा, ताल के देवरी, बेलाही, बस्तर ,देहली, महेवा झिरी ,मदरा, लटकहां, बबूरा ,नीवी, डीहा, आदि विभिन्न गांव में पूरे विधि विधान से हर छठी मैया का व्रती महिलाओं के द्वारा पूजा अर्चना किया। वही जगह-जगह ढोल नगाड़े के साथ हल छठी व्रत मनाया गया। व्रती महिलाओं ने अपने पुत्र की दीघार्यु की कामना के लिए आस्था के साथ छठी मैया का पूजा अर्चना कर मन्नतें मांगी ।

महिलाओं ने पुत्रों के लिए रखा व्रत, गाजे बाजे के साथ किया पूजन

जंघई क्षेत्र के चनेथू में छठ पूजा करतीं महिलाएं

जंघई। भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हलछठ या हरछठ के रूप में मनाया जाता है। इस बार हलछठ पूजन व व्रत 28 अगस्त दिन शनिवार को मनाया गया। इसे पीन्नी छठ, खमर छठ, राधन छठ, चंदन छठ, तिनछठी, तिन्नी छठ, ललही छठ, हलछठ, हरछठ व बलराम जयंती के रूप में भी जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हलषष्ठी व्रत किया जाता है। बलराम का प्रधान शस्त्र हल और मुसल है। इसलिए उन्हें हलधर के नाम से भी पुकारा जाता है और उन्ही के नाम पर इस पर्व का नाम हलषष्ठी पड़ा है।हलषष्ठी के दिन प्रातः काल स्नान आदि से निवृत्त होकर दीवार पर गोबर से हरछठ चित्र मनाया जाता है। इसमें गणेश-लक्ष्मी, शिव-पार्वती, सूर्य-चंद्रमा, गंगा-जमुना आदि के चित्र बनाए जाते हैं। इसके बाद हरछठ के पास कमल के फूल, छूल के पत्ते व हल्दी से रंगा कपड़ा भी रखें। हलषष्ठी की पूजा में पसाई के चावल, महुआ व दही आदि का प्रसाद चढ़ाया जाता है। इस पूजा में सतनजा यानी कि सात प्रकार का भुना हुआ अनाज चढ़ाया जाता है। इसमें भूने हुए गेहूं, चना, मटर, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर आदि शामिल होते हैं। इसके बाद हलषष्ठी माता की कथा सुनने का भी विधान है। एक ग्वालिन दूध दही बेचकर अपना जीवन व्यतीत कर रही थी। एक बार वह गर्भवती और दूध बेचने जा रही थी तभी रास्ते में उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। इस पर वह एक पेड़ के नीचे बैठ गई और वहीं पर एक पुत्र को जन्म दिया। ग्वालिन को दूध खराब होने की चिंता थी इसलिए वह अपने पुत्र को पेड़ के नीचे सुलाकर पास के गांव में दूध बेचने के लिए चली गई। उस दिन हर छठ व्रत था और सभी को भैंस का दूध चाहिए था लेकिन ग्वालिन ने गाय के दूध को भैंस का बताकर सबको दूध बेच दिया। इससे छठ माता को क्रोध आया और उन्होंने उसके बेटे के प्राण हर लिए। ग्वालिन जब लौटकर आई तो रोने लगी और अपनी गलती का अहसास किया। इसके बाद सभी के सामने अपना गुनाह स्वीकार पैर पकड़कर माफी मांगी। इसके बाद हर छठ माता प्रसन्न हो गई और उसके पुत्र को जीवित कर दिया। इस वजह से ही इस दिन पुत्र की लंबी उम्र हेतु हर छठ का व्रत व पूजन होता है।

श्रद्धापूर्वक पूजा छठ माता को एवं पुत्र की दीर्घायु का मांगा आशीर्वाद

सहसों क्षेत्र में सामूहिक रूप से छठ पूजा करतीं महिलाएं

सहसों। ललही छठ एवं हल छठ व्रत त्यौहार पर क्षेत्र में शनिवार को अपराह्न काल में महिलाएं बड़ी ही श्रद्धा से छठ माता की अपने अपने मोहल्लों में महिलाएं एकत्रित होकर विधि विधान से पूजन किया एवं हर महिलाएं अपनी अपनी संतानों की दीघार्यु की छठ माता से प्रार्थना की एवं जो महिलाएं निसंतान हैं वह संतान प्राप्ति के लिए छठ माता से कामना एवं प्रार्थना किया। देश के अलग-अलग प्रदेशों में अलग-अलग क्षेत्रों में छठ को अनेक नामों से भी जाना जाता है जैसे कि पिन्नी छठ, खमरछठ, राधन छठ, चंदन छठ, तिनछठी, तिन्नी छठ, ललही छठ, हल छठ, हरछठ, एवं बलराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई बलराम जी के जन्म उत्सव के उपलक्ष में हलष्ठी व्रत किया जाता है। बलराम का प्रधान शस्त्र हल और मुसल है इसलिए उन्हें हलधर के नाम से भी पुकारा जाता है और उन्हीं के नाम पर इस पर्व का नाम हलषष्ठी पड़ा है। हलष्ठी के दिन महिलाएं प्रातः काल स्नान आदि से निवृत होकर दीवार पर गोबर से हलछठ का चित्र बनाया जाता है। इसमें गणेश-लक्ष्मी, शिव - पार्वती, सूर्य - चंद्रमा, गंगा- जमुना आदि के चित्र बनाए जाते हैं । इसके बाद हर छठ के पास कमल के फूल,छूल के पत्ते व हल्दी से रंगा कपड़ा भी रखा जाता है। हलषष्ठी की पूजा में पसाढ़ी के चावल महुआ व दही आदि का प्रसाद चढ़ाया जाता है इस पूजा में सतनजा यानी कि सात प्रकार का भुना हुआ अनाज चढ़ाया जाता है। इसमें भुने हुए गेहूं , चना , मटर, मक्का, ज्वार, बाजरा अरहर आदि शामिल होते हैं। इसके बाद हलष्ठी माता की कथा सुनने का भी विधान है। इस अवसर पर पूजा में बैठीं मोहल्ले की सबसे श्रेष्ठ महिला भक्त सबको इस कथा के बारे में कहानी भी सुनाती हैं।

पुत्र की लंबी आयु के लिए ललई छठ - हलछठ की पूजा अर्चना करती महिलाएं

जारी क्षेत्र में छठ पूजा करतीं महिलाएं

जारी। जारी कस्बे के कई जगहों पर दिन शनिवार को परंपरागत ललई माता की पूजा अर्चना की गई इस दौरान व्रत रखकर महिलाएं पूजा करने के लिए सुबह से तैयारी में जुटी हुई है ।और अपना-अपना थाल सजाकर जारी के प्राचीन बड़े हनुमान जी के मंदिर में ललई माता की पूजा अर्चना की और संतान की लंबी उम्र के लिए करती हैं व्रत 'हलषष्ठी' व्रत महिलाएं अपने संतान की दीघार्यु और स्वस्थ्य के लिए करती हैं। इस व्रत से जुड़ी तमाम कहानियां भी प्रचलीत है, जो महिलाएं व्रत और पूजा करती हैं वो जरुर सुनती हैं। बताया जाता है कि पुत्र प्राप्ती के लिए भी इस दिन जो महिलाएं व्रत की कथा सुनती है, उन्हें पुत्ररत्न की प्राप्ती होती है। इस दौरान जारी कस्बे के करछना रोड , पहाड़ी रोड ,जारी कटरा, जारी गांव, मिश्रा बांध, भैदा ,कुड़ी, गौहानी, आदि जगहों पर ललई माता की पूजा अर्चना की गई।

जसरा में महिलाओं ने घरों व सामूहिक रूप से किया ललहीछठ पूजा

जसरा क्षेत्र में छठ पूजा करतीं महिलाएं

जसरा। सनातन धर्म में भाद्र माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हल षष्ठी या ललही छठ मनाने की परंपरा है। ललही छठ व्रत पूजन विधि महिलाएं हलषष्ठी का व्रत संतान की लंबी आयु की प्राप्ति के रखती हैं। इस दिन व्रत के दौरान कोई अन्न नहीं खाया जाता है। महुआ की दातुन कर हलषष्ठी व्रत में हल से जुती हुई अनाज और सब्जियों का इस्तेमाल नहीं किया जाता। इस व्रत में केवल बिना जोती बोई गई चीजें ही खाई जाती हैं जो तालाब में पैदा होती हैं। जैसे तिन्नी का चावल, करमुआ का साग, पसही का चावल आदि। इस व्रत में दूध और उससे बने उत्पाद जैसे दही, गोबर का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। हलषष्ठी व्रत में भैंस का दूध, दही और घी के प्रयोग की परंपरा है। शनिवार को जसरा, बुदांवा, तातारगंज, परसरा, पांडर, अमरेहा, खटंगिया,मरुआ, दौना, सेन्धुवार आदि गांवों में महिलाएं बड़े ही हर्षोल्लास के साथ ललही छठ की पूजा की।

शंकर गढ़ में महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर की छठी मइया की पूजा

शंकरगढ़ क्षेत्र में छठ पूजा करतीं महिलाएं

शंकरगढ़। ललही छठ (हरछठ/हलछठ/भादौं छठ) का पर्व शनिवार को जनपद में धूमधाम के साथ मनाया गया। बेटों की तरक्की, लंबी उम्र की कामना के साथ महिलाओं पूरे विधि-विधान से छठ मइया की पूजा की और बिना जोते-बोए में पैदा होने वाली वस्तुओं का भोग लगाया। ललही छठ के मौके पर जनपद के कई स्थानों पर सामूहिक रूप से भी पूजा का आयोजन किया गया, जहां गांव महिलाओं ने भजन-कीर्तन के जरिए मां की आराधना की। यमुनापार के शंकरगढ़, बारा, नारीबारी समेत तमाम जगहों में छठ का पर्व पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। छठ के मौके पर दरवाजे पर व आंगन में तालाब के आकार का गड्ढा खोदा गया, जिसमें स्थानीय तालाब का पानी व गंगाजल डाला गया। इसके उपरांत बनाए गए तालाब के पूर्वी भाग पर कुश, महुआ, पलाश इत्यादि (मान्यता के अनुसार) लगाकर पूजा अर्चना की शुरूआत की गई। इसके पश्चात महुआ, पसही (फसही) का चावल, भैंस के दूध से निर्मित दही, ताल मखाना, नये कपड़े, पुस्तक, कलम और सात प्रकार के अनाज के साथ छठी मइया की आराधना की गई। अंत में महुआ से हवन करके प्रसाद के रूप में महुआ ग्रहण किया।नगर पंचायत शंकरगढ़ के सदर बाजार,पुरानी बाजार,लाइनपार,सिंधीटोला आदि मोहल्लों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा की।वहीं वर्षों से चली आ रहीं मान्यताओं के क्रम में गांव की महिलाओं ने निर्धारित तालाबों पर पहुंचकर पूरे विधि-विधान से छठ मइया की आराधना की और मंगल गीत गाए। इस दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया।

खबर संक्षेप

आधार कार्ड बनाने के नाम पर ग्रामीणों से हो रही वसूली

कौंधियारा। आधार कार्ड बनाने के नाम पर कुछ जालसाज टाइप के लोग इन दिनों बाजारों में अपनी दुकान लगा कर के ग्रामीणों को बेवकूफ बनाने में लगे हुए हैं। अगर देखा जाए तो जहां आधार बनने की सूचना मिलने के बाद ग्रामीण आधार कार्ड बनवाने व संशोधन कराने के लिए उन दुकानों पर पहुंच जा रहे हैं। जिनकी ना कोई प्रमाणिकता है और ना ही कोई ठौर ठिकाना। वहीं ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि आधार कार्ड बनाने के नाम पर 250 से लेकर 350 तक ग्रामीणों से यह आधार कार्ड बनाने वाले लोग वसूल रहे हैं। क्षेत्र कुछ समाजसेवियों के द्वारा बताया गया कि देखा जाए तो जारी, कौंधियारा, करमा, जसरा, गौहनिया, आदि प्रमुख बाजारों में कई दुकानों पर आधार कार्ड बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है। जबकि शासन द्वारा इन दुकानदारों को आधार कार्ड बनाने का कोई लाइसेंस या कोई आदेश नहीं दिया गया है। लेकिन उसके बावजूद भी इन दुकानों पर ग्रामीणों को बेवकूफ बनाने के लिए और अपना व्यवसाय चलाने के लिए भोले-भाले ग्रामीणों के साथ ठगी करने का कार्य कर रहे हैं।

अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर बीएड टीईटी-2011 अभ्यर्थी

हरिओम प्रकाश

सरकार द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के साथ ही 7-12-12 विज्ञापन पर की भर्ती करने की मांग, 8 सितम्बर से होने वाले तीन दिवसीय धरने में लखनऊ के लिए कूंच करेंगे अभ्यर्थी

प्रयागराज। वर्षों से नियुक्ति की आस लगाए बैठे बीएड टीईटी - 2011 के अभ्यर्थी अब आंदोलन की राह पर है। उच्च नेतृत्वकताओं के आवाह्न पर प्रदेश के हजारों बेरोजगार भावी शिक्षक अपनी मांगों को लेकर 8 सितम्बर को लखनऊ में धरना प्रदर्शन कर सरकार की वादाखिलाफी को उजागर करेंगे। टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से साथियों को सम्बोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा की सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। एक तरफ हम बीएड टीईटी 2011 उत्तीर्ण अभ्यर्थी दस वर्षों से अपनी नियुक्ति की आस में दर- दर भटक रहे हैं वहीं सरकार प्रदेश में लाखों नौजवानों को रोजगार देने का झूठा दंभ भरकर खुद की ही पीठ थपथपाने में मशगूल है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लाखों भावी शिक्षकों से आगामी 8 सितम्बर से लखनऊ में होने वाले आंदोलन में भारी संख्या में पहुंचने की अपील करते हुए कहा की अगर सरकार हमारी मांगों को नहीं मानती है तो वह 10 सितम्बर को महा आंदोलन करने को बाध्य होंगे। वहीं संगठन के प्रदेश महामंत्री विजय यादव के साथ ही राजीव दूबे, कुंवर पाल, विनीत त्रिपाठी, एकता त्रिपाठी व अन्य संघर्षरत अभ्यर्थियों ने कहा की बीएड टीईटी 2011 के अभ्यर्थियों की समस्यों के निराकरण हेतु बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक न करना सरकार की तानशाही को प्रदर्शित करता है जिसे हम बीएड टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थी अब कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आंदोलनरत अभ्यर्थियों के अनुसार यह है मामला

7 दिसम्बर 2012 को 72,825 पदों पर सपा द्वारा निकाली गई शिक्षक भर्ती के क्रम में 25 जुलाई 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में नए विज्ञापन को सही मानते हुए अब तक हुए अंतरिम आदेशों पर हुई भर्तियों को सुरक्षित करते हुए, नए विज्ञापन पर भी भर्ती करने की छूट सरकार को दी परन्तु मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी भर्ती नहीं हो सकी है। नतीजतन हजारों अभ्यर्थी आंदोलनरत हैं।

भाजपा सरकार के जिम्मेदार नेताओं ने हमें नियुक्ति देने का वादा किया था। परन्तु सत्ता की मद में चूर सरकार हमसे वादाखिलाफी कर रही है जिसका मुंहतोड़ जवाब हम आगामी विधानसभा चुनाव में देने का काम करेंगे।

सुनील यादव
प्रदेश अध्यक्ष, बीएड टीईटी- 2011 बेरोजगार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

नियुक्ति के लिए पूर्व में भी आंदोलन कर चुके हैं अभ्यर्थी

5 सितंबर 2018 को जब पूरा देश पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मना रहा था तब यूपी की राजधानी लखनऊ के ईको गार्डन में शिक्षक बनने की कतार में लगे बीएड टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। तब आंदोलनकारी भावी शिक्षकों पर सरकार ने लाठीचार्ज करवाकर उनकी आवाज को दबाने का काम किया था।

बीएड टीईटी- 2011 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगे

प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं का नेतृत्व कर रहे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव का कहना है की सरकार 7 अगस्त 2018 को उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में गठित कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय का सम्मान करते हुए हम अभ्यर्थियों से किए गए अपने वादे को पूरा करने का काम करे।

ट्वीटर पर भी ट्रेंड कर चुके हैं अभ्यर्थी

आंदोलनरत अभ्यर्थियों ने फेसबुक, इंस्टाग्राम के साथ ही अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की। वहीं 7-12-12 विज्ञापन के अभ्यर्थियों ने ट्वीटर पर भी अपने हैशटैग को कई बार ट्रैंड कराया।

अनियंत्रित तिपहिया पलटी, चालक की मौत, एक घायल

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के सरगम तिराहे पर शनिवार दोपहर शहर की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही विक्रम अनियंत्रित होकर बाइक चालक को टक्कर मारते हुए डिवाइडर पर जाकर पलट गई। जिससे दबकर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। विक्रम की टक्कर लगने से बाइक चालक घायल हो गया। सूचना पाकर इलाकाई पुलिस पहुंची, घायल को इलाज के लिए अस्पताल तथा चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर करीब ३ बजे शहर की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही विक्रम सरगम तिराहे पर अनियंत्रित होकर बाइक चालक को टक्कर मारते हुए डिवाइडर पर जाकर पलट गई। विक्रम के नीचे दबकर चालक राहुल कुमार भारतीय (२४) पुत्र प्यारेलाल भारतीया निवासी चक लाल मोहम्मद नैनी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । विक्रम की टक्कर लगने से बाइक चालाक कैलाश कुमार (३५) वर्षीय निवासी पाल चौराहा पी.डी.ए कॉलोनी घायल हो गया। सूचना पाकर इलाकाई पुलिस पहुंची, घायल को इलाज के लिए अस्पताल तथा मृतक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। दुर्घटना के बाद वहां पर लोगों की अच्छी खासी भीड़ लग गई । थोड़ी देर के लिए जाम जैसा माहौल हो गया।

वैक्सीन की 350 डोज चोरी, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। कोरोना टीकाकरण महाभियान में शुक्रवार को कोरोना वैक्सीन की 35 वायल (350 डोज) चोरी हो गईं। वारदात गंगापार इलाके के सैदाबाद और धनूपूर इलाके में हुई। अभियान की समाप्ति पर वैक्सीन चोरी की खबर से हड़कंप मच गया। चिकित्साधिकारियों ने कोविड वैक्सीन की चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी एसीएमओ डॉ. तीरथ लाल के मुताबिक टीकाकरण महाभियान के दौरान केंद्रों पर भारी भीड़ उमड़ी थी। लोगों में वैक्सीन की डोज पहले लगवाने की होड़ मची थी। सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। लोग वैक्सीनेटरों से धक्कामुक्की भी कर रहे थे। भीड़ में किसी ने सैदाबाद केंद्र से कोविड वैक्सीन की 11 वायल तथा धनूपुर से 24 वायल चुरा लीं। काफी पूछताछ के बाद भी चोरी हुई वायलों का पता नहीं चला। चोरी गई वैक्सीन से 350 लोगों को टीकाकरण किया जा सकता था। दोनों केंद्रों के चिकित्साधिकारियों ने सीएमओ डॉ. नानक सरन और जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. तीरथ लाल को वैक्सीन वायल चोरी होने की सूचना दी। मामले से एसएसपी को भी अवगत कराया गया। प्रतिरक्षण अधिकारी के मुताबिक वैक्सीन चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

रिश्वत लेने के आरोपी इंस्पेक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा के थाना सेक्टर-20 गौतम बुद्ध नगर में तैनात रहे इंचार्ज पुलिस इंसपेक्टर मनोज पंत के खिलाफ चल रही विभागीय कार्यवाही पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस अधिकारियों से चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। याची वर्तमान में जनपद महराजगंज में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। इंस्पेक्टर ने याचिका दाखिल कर विभागीय कार्यवाही को चुनौती दी है। याचिका पर न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने सुनवाई की।

याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम और अतिप्रिया गौतम का तर्क था कि नोएडा में भ्रष्टाचार के मामले में इसके खिलाफ चल रहे केस के आधार पर चार्जशीट देकर अधिकारियों ने विभागीय कार्यवाही शुरू कर दिया है। 19 सितम्बर 2019 के आदेश से याची के खिलाफ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील नियमावली 1991) के नियम 14 (1) के तहत कार्रवाई करते हुए आरोप- पत्र दिया गया है। आरोप लगाया गया है कि इन्होंने अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने के लिए दो लाख रिश्वत लिया। रिश्वत के साथ ही इन्हें गिरफ्तार किया गया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना था कि याची के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही पूर्व में दर्ज प्राथमिकी को आधार बनाकर की जा रही है जो सुप्रीम कोर्ट के कैप्टन एम पाल एन्थोनी व पुलिस रेगुलेशन के पैरा 492 व 493 के खिलाफ है। वकीलों की बहस थी कि यह प्रतिपादित सिद्धांत है कि जब आपराधिक व विभागीय कार्यवाही एक ही आरोपों को लेकर चल रही है तो विभागीय कार्यवाही आपराधिक केस के निस्तारण तक स्थगित रखी जाए। मामले के अनुसार 30 जनवरी 2019 को याची व तीन अन्य मीडिया कर्मी को भ्रष्टाचार के मामले में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया था। तत्कालीन एस पी गौतम बुद्ध नगर ने याची को सस्पेंड कर दिया था। जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद याची ने निलंबन को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। निलंबन को विधि विरूद्ध मानते हुए हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। याची का नोएडा से गोरखपुर जोन तबादला कर दिया गया। फिर वहां से संतकबीर नगर और अब वर्तमान में वह महाराजगंज में बतौर पुलिस इंसपेक्टर कार्यरत है।

माधव ज्ञान केन्द्र नैनी में खेल दिवस की महत्ता को बताते आचार्य विनोद

श्री गीता के उपदेशों से बच्चे ले प्रेरणा

अखंड भारत संदेश

नैनी। माधव ज्ञान केंद्र नैनी में मेजर ध्यानचंद्र के जन्मदिन के अवसर पर खेल दिवस की महत्ता को बताते हुए शारीरिक के आचार्य विनोद व श्री कृष्ण जन्माष्टमी के बारे में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉः विन्ध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी ने भगवान श्री कृष्ण जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन में त्याग प्रेम व बलिदान को अपनाने की बात कही। उन्होंने जो गीता का उपदेश दिया कर्म करो फल की चिंता मत करो, बच्चों को भी अमल करने पर बल दिया।

विकास खण्डवार ब्लाक अध्यक्षों का किया गया मनोनयन

माध्यमिक शिक्षक संघ वित्त विहीन गुट प्रयागराज के ब्लाक अध्यक्षों का किया गया गठन

करछना। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्तविहीन गुट के प्रदेश अध्यक्ष व शिक्षक एमएलसी माननीय लाल बिहारी यादव जी की अनुमति से जिलाध्यक्ष प्रयागराज ननकेश बाबू ने विकास खंड वार निम्नलिखित इकाइयों में ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन किया है। उक्त आशय की जानकारी संघ के जिला मीडिया प्रभारी जेपी यादव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। कमला शंकर यादव हंडिया ,-त्रिभुवन नाथ सिंह सैदाबाद , दीपचंद यादव धनू पुर , राधेश्याम पटेल कौड़िहार ,अवधेश पटेल होलागढ़ ,बलवीर सिंह यादव सोरांव ,रवि शंकर मेजा ,अमित सिंह मांडा ,इंद्र बहादुर कुशवाहा कोरांव ,रमेश यादव सहसो ,प्रदीप कुमार गौतम उरुवा ,अरविंद कुमार जसरा का मनोनयन ब्लॉक अध्यक्ष पद पर किया गया है ब्लॉक इकाइयों का गठन जिले के मनोनीत चुनाव प्रभारी की उपस्थिति में इकाई का सम्यक गठन करें।

जंघई बाजार में गंदगी का अंबार,सफाई कर्मी नदारद

जंघई। जंघई बाजार में तीन सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति है लेकिन विद्यालयों, सार्वजनिक स्थानों, नाली, सड़क हर जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है।बाजार के निवासियों के अनुसार सफाई कर्मचारियों से बार बार कहा जाता है लेकिन सुनते ही नहीं।बाजार के सार्वजनिक स्थानों नालियों, सड़कों पर इकट्ठा कूड़ों का अंबार लगा है लेकिन सफाई कर्मचारी टालमटोल करके काम टाल देते हैं।बाजार मे गंदगी के कारण आने जाने वालों एवं बाजार के निवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण लोग आक्रोशित है।वैश्विक महामारी में पूरा देश कोरोना से परेशान है इसमें साफ सफाई, सेनेटाइजेशन, दवा छिड़काव आदि सब होना बहुत जरूरी है लेकिन इस पर किसी का ध्यान नही जा रहा जिसके कारण हर तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

प्राथमिक विद्यालय सिरोखर की चहारदीवारी निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग

अखंड भारत संदेश

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

प्राथमिक विद्यालय सरोखर

पसना। कोरांव ब्लाक अन्तर्गत ग्राम पंचायत के माध्यम से मनरेगा योजना द्वारा प्राथमिक विद्यालय सिरोखर में चहारदीवारी निर्माण कार्य में घटिया ईंट व बालू का प्रयोग किया जा रहा है, जो कि शासन के नियमों के विपरीत है। ज्ञातव्य है कि 300 मीटर चहारदीवारी का निर्माण 14 लाख रुपये के बजट से मनरेगा योजनान्तर्गत ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है,लेकिन निर्माण कार्य के प्रारम्भ में ही उच्चकोटि बालू की जगह क्रेशरप्लांट के डस्ट का प्रयोग किया जा रहा है।अव्वल दर्जे की ईंट की जगह तृतीय श्रेणी की घटिया ईंट का प्रयोग किया जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि पूर्व में इसी तरह घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग के कारण इसी विद्यालय का एक कक्ष गिर गया था। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि निर्माण कार्य की जांच करवा कर जिम्मेदारों के बोखिलाफ कार्यवाई करते हुए उच्च गुणवत्ता की सामग्री से निर्माण कार्य कराने की कृपा करें,जिससे नौनिहालों का जीवन सुरक्षित रहे।

थाना का निरीक्षण करते पुलिस कप्तान

पुलिस कप्तान ने थाना मेजा एवं माण्डा का किया वार्षिक निरीक्षण

सिरसा/मेजा/माण्डा। पुलिस कप्तान ने जनपद के थाना मेजा व मांडा का औचक निरीक्षण कर आवश्यक सुझाव दिया। बता दें कि शनिवार को समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने थाना मेजा व मांडा मे जनसुनवाई कर वार्षिक निरीक्षण किया।इस दौरान पुलिस कप्तान ने थाना प्रभारी को जरूरी सुझाव दिए। इस दौरान साथ मे पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दिक्षीत भी रहे। औचक निरीक्षण के समय थाना मेजा मे प्रभारी अरुण चतुवेर्दी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मौजूद रहे। वहीं थाना मांडा मे प्रभारी अवन दीक्षित भी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मौजूद रहे।

उप निरीक्षक और सिपाहियों को एडीजी ने किया निलंबित

पूरामुफ्ती थाना में एडीजी के आगमन से पुलिस कर्मियों के बीच मचा हड़कंप

पूरामुफ्ती थाना में एडीजी जान प्रयागराज प्रेम प्रकाश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लगातार कई दिनों से पूरामुफ्ती पुलिस की शिकायत मीडिया के माध्यम से सुनने के बाद पूरामुफ्ती थाना में एडीजी जोन प्रयागराज प्रेम प्रकाश के औचक आगमन से थाना परिसर में मौजूद पुलिस कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। एडीजी की गाड़ी बिना पूर्व सूचना के पूरामुफ्ती थाना परिसर में प्रवेश करते ही समस्त पुलिसकर्मी सकते में आ गए और दीवाल का कोना पकड़कर छिप गए। एडीजी की कड़ी फटकार के बाद एक के बाद एक पुलिसकर्मी दीवाल के कोने से निकलकर एडीजी के समक्ष पेश हुए। इसी दौरान एडीजी प्रेम प्रकाश कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए एक उपनिरीक्षक सहित दो आरक्षी को निलंबित कर लाइन का रास्ता दिखा दिए। थाना दिवस के मौके पर पूरामुफ्ती थाना पहुंचकर एडीजी ने फरियादियों की शिकायत सुनी और तत्काल संबंधित अधिकारी को अविलंब किए बिना निवारण के लिए आदेशित किए। एडीजी के पहुंचते ही थाना परिसर में चारो तरफ अफरा - तफरी का माहौल बना रहा।

प्रत्येक गांव का चहुंमुखी विकास ही जीवन का लक्ष्य : कैप्टन करन

प्रतापगुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गाँवों में जनसंपर्क करते कैप्टन करन सिंह

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी रहे अपनदल भाजपा गठबंधन से कैप्टन करन सिंह ने विभिन्न गाँवों में अपने समर्थकों के साथ जनसंपर्क किया एवं मूलभूत समस्याओं से रुबरु होते हुए कहा कि प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गाँव का चहुंमुखी विकास कराना ही उनके जीवन का लक्ष्य है ।क्षेत्र में कारखाना, सरकारी इंजीनियरिंग कालेज, बालिका कालेज, रोजगार, सरकारी आइटीआइ, पोलटेकनिक कालेज, फैक्ट्री आदि की स्थापना करवाना एवं दैनिक मूलभूत सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने का लक्ष्य है।करन सिंह ने कहा कि जिस तरह पिछले चुनाव में सभी लोगों ने दलगत जातिगत भेदभाव से उपर उठकर मुझे मतदान करके जीत के करीब पहुंचाया था वही आशीर्वाद 2022 के चुनाव में चाहिए ताकि ताकि आपका बेटा भाई आपकी आवाज लखनऊ विधानसभा में उठा सके। इस अवसर पर रमेश पांडेय, बबलू सिंह, मुन्ना सिंह, राजा मौर्या, अनुराग सिंह, नवीन उपाध्याय, डबलू यादव, सत्या जायसवाल, अतुल सिंह, मलखान सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

बूथ मजबूती को लेकर गावों मे घूमे भाजपाई

करछना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओ ने कई गांवो में घूमकर बूथ सत्यापन करते हुए बूथों का जाएजा लिया और सदस्यता अभियान से भी कई लोगों को जोडा।पूर्व विधायक दीपक पटेल की अगुवाई मे शनिवार को पार्टी कार्यकर्ता मुगारी मझुआ,टकटैया और पिपराव पहुचे जहां बूथ अध्यक्षो से विचार विमर्श और बैठक कर बूथो की हकीकत जानी बूथ सत्यापन के दौरान गांव स्तर पर जुडे कई युवा कार्यकर्ताओ ने भी भाजपाइयो का स्वागत किया और वोटरो की हकीकत बताई।इस दौरान कई नये लोगों ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की।पूर्व विधायक ने कहा कि बूथ सत्यापन का यह कार्य धीरे धीरे सभी गांवो मे किया जाएगा और बडी संख्या मे लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई जाएगी,गावो मे बैठक कर भाजपाइयो ने केद्र और प्रदेश सरकार द्धारा चलाई जा रही जन कल्याण योजनाओ की भी जानकारी दी।इस मौके पर अजय सिह बालकृष्ण,आजाद पटेल बनवारी लाल पटेल,आनद सिह,शिवकुमार वर्मा कपूरचन्द्रव तिवारी आशीष सिह,कमलाशंकर विवेक सिह,सोनू भारतीया,राज कुमार शर्मा कमलेश्वर पाण्डेय प्रेमशंकर पवन कुमार राजकरन शिव नरेश समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झूठ बोलने में भाजपा को हासिल है महारत : रेवती रमण

कोरांव विधानसभा के कई गांवों में दौरा करते रेवती रमण

रत्योरा। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवम राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने कोरांव विधानसभा अंतर्गत विभिन्न ग्राम सभाओं का औचक दौरा किया। और साथ ही साथ पार्टी नेताओं से मुलाकात कर उनके समस्याओं को जाना इस मौके पर जगह जगह स्थानीय लोगों एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं द्वारा फूल मालाओं से लादकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उक्त मौके पर सपा सांसद ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसान विरोधी है और झूठ बोलने में महारत हासिल है।सभी कार्यकर्ता आगामी विधानसभा के चुनाव की तैयारियों में जी जान से जुट जाए क्योंकि अब चुनाव में ज्यादा वक्त नहीं रह गया है और मौजूदा सरकार के जन विरोधी नीतियों से त्रस्त होकर जनता समाजवादी सरकार बनाने के लिए आतुर है। इसी क्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता मानिक लाल सिंह पूर्व प्रधान लेडियारी और वरिष्ठ समाजसेवी कामता सिंह बघेल अरुवारी इन दोनों के विगत दिनों आकस्मिक निधन होने पर उनके आवास पर परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया। इय मसैके वा वरिष्ठ समाजवादी नेता राजेश पांडेइस मौके पर प्रमुख रूप से ललन सिंह जिला सचिव दिलावर सिंह पप्पू यादव विधानसभा अध्यक्ष मेजा जोगिंदर सिंह देव शंकर दुबे बब्बू गौतम रामदेव निडर मेहताब खान नगर अध्यक्ष हरे कृष्ण यादव ओमप्रकाश कुशवाहा विधानसभा अध्यक्ष मासूक अली विजय केसरी पुर्व विधायक रामकृपाल कोल आदि रहे।

पर्यावरण बचाने के लिये वृक्ष हमारे लिये जरुरी

साकेत गर्ल्स पीजी कालेज में हुई वृक्ष की पूजा

प्रतापगढ़। प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति वंदन ही मानव जाति का अभिनंदन है। शनिवार को साकेत गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज के प्रांगण में कदम के वृक्ष की पूजा कर नगरवासियों को प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया गया।

महाविद्यालय की उपाचार्या डॉ0 अनीता पाण्डेय, डॉ0 प्रतिभा मिश्रा, डॉ0 सरिता सिंह, डॉ0 कल्पना शर्मा, श्रीमती आरती श्रीवास्तव, कु0 आरती पाण्डेय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत प्रकृति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने छात्राओं को पर्यावरण संतुलन और उसके प्रभावों से अवगत कराया और बताया कि प्राकृतिक संतुलन बना रखना पृथ्वी पर जीवन की रक्षा हेतु कितना आवश्यक है। भूगोल की सहायक प्राध्यापिका डॉ0 सरिता सिंह एवं हेमन्त कुमार वर्मा ने वृक्ष पूजा के द्वारा यह संदेश दिया कि सभी प्रकृति से जुड़े बिना पृथ्वी पर जीवन संरक्षा असम्भव है। मुख्य वक्ता ज्योतिमा सिंह ने प्रकृति और जीवन विषय पर विस्तार से चर्चा की।

पर्यावरण प्रभारी श्रीकृष्ण मोहन ने वृक्षों से याचना की कि प्रकृति में प्रचुर आक्सीजन बने रखें और मनुष्य को ऑक्सीजन के लिए भौतिक संसाधनों की आवश्यकता न पड़े। प्रकृति पूजन के लिए प्राचीन विभाग के प्रवक्ता ने मंत्रोच्चार किया और आए हुए आगंतुकों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 नीलिमा श्रीवास्तव ने किया और कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों कार्यक्रमाधिकारियों ने एवं अच्युत कुमार शुक्ला ने आये हुए अतिथियों का आभार ज्ञापित किया।

पुत्रों की सलामती के लिये महिलाओं ने व्रत रखकर की छठ पूजा

प्रतापगढ़। हल छठ के अवसर पर आज सुबह से ही स्नान कर महिलाओं ने अपने लाडलों के लिये पूजा अर्चना की। महिलाओं ने महुवा, दही, सात प्रकार का भुना हुआ अनाज चढ़ाकर छठ मइया की पूजा आराधना कर अपने बेटों की सलामती के लिये मन्नतें की। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार भाद मास की कृष्ण पक्ष की छठीं तिथि को भगवान कृष्ण के बडे भाई बलराम का जन्म हुआ है, इसलिये इस पर्व को बलराम जयंती के रुप में मनाया जाता है।

पुनरोद्धार दिवस पर बकुलाही मैया के जल से हुआ जलाभिषेक

नदी का पुनरोद्धार का साझा प्रयास द्वितीय कार्यः समाज शेखर

प्रतापगढ़। जनपद के दक्षिणांचल में बकुलाही नदी की प्राचीन धारा के पुनरोद्धार कार्य का प्रभावी नतीजा दिखने लगा है। प्राचीन 21.4 किमी धारा में नदी पूरा पेटा भरकर के जल प्रवाहित हो रहा है। जबकि अभी लूप कटिंग मार्ग में सरकार द्वारा धारा डायवर्जन का कार्य अवशेष है।

बता दें कि 28 अगस्त 2011 को सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर की अगुवाई में नदी की प्राचीन धारा के पुनरोद्धार हेतु रचनात्मक प्रयास शुरू किया गया जो जन जन की जरूरत होने के नाते जनांदोलन का रूप ले लिया। व्यापक जनसहयोग और सहभागिता से 23 जून 2015 तक सतत कार्य करते हुए नदी मार्ग से सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाकर नदी को पुनर्स्थापित किया गया। समाज शेखर ने बताया कि बरसात होने की वजह से गाड़ी घाट के पास लगभग 700 मीटर खुदाई व सफाई कार्य होना अवशेष है, जिसे बरसात कम होते ही ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाएगा। शनिवार को बकुलाही पुनरोद्धार दिवस पर बाबा भयहरणनाथ महादेव का जलाभिषेक बकुलाही मैया के जल से हुआ, जिसमें समाज शेखर सहित कोर टीम के प्रमुख कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके पश्चात समाज शेखर नदी के किनारे के प्रमुख ग्रामो व स्थानों की स्थलीय भ्रमण करके अपेक्षित कार्यो व सुझावों आदि को रेखाँकित कर अवशेषसरकारी कार्यो को पूर्ण कराने हेतु आवश्यक रणनीति बनी। बकुलाही नदी के पुनरोद्धार कार्य मे समाज शेखर के नेतृत्व में ब्योबृद्ध नेता राम लखन, मोती लाल चौधरी, लालजी सिंह, अभय सिंह, फूल चंद्र पटेल, राम सजीवन पटेल, हरिकेश पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

पिकअप गाड़ी की टक्कर से गौता की मौत

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगज थाना क्षेत्र के बनकटकामा पांडे का पुरवा में शनिवार की सुबह पिकप गाड़ी के चालक ने घर के सामने खड़ी गौमाता को टक्कर मार दिया जिससे मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुची पुलिस ने पिकप गाड़ी व चालक को पकड़कर थाने ले गईं। थाना क्षेत्र निवासी रमाशंकर तिवारी पुत्र स्व0 त्रिभुवन नाथ तिवारी ने पुलिस को दिए गए शिकायत पत्र मे कहा है कि मेरे घर के सामने एक गौमाता खड़ी थी जिसे अनियंत्रित पिकप चालक ने टक्कर मार दिया जिससे मौके पर मौत हो गयी घटना की सूचना पी आर बी को दी मौके पर पहुंची पीआरबी ने पिकप गाड़ी व चालक को पकड़कर थाने ले गई। बताया जाता है कि पिकप गाड़ी को नाबालिक वीरू यादव पुत्र नन्दलाल यादव कोथरिया निवासी बिना ड्राइविंग लाइसेंस के चला रहा था पिकप गाड़ी के मालिक राजेश कुमार पुत्र रामसजीवन कोथरिया निवासी है। घटना की नामजद तहरीर रमाशंकर तिवारी ने नवाबगज पुलिस को दी। गौमाता की मौत से स्थानीय लोगो मे आक्रोश है।

प्रशासन ने शुरू किया मदिरा की दुकानों का निरीक्षण

पट्टी, प्रतापगढ़। सरकारी देसी विदेशी मदिरा की दुकानों के निरीक्षण का अभियान तहसील प्रशासन द्वारा फिर से चालू कर दिया गया है। पट्टी एसडीएम धीरेंद्र प्रताप सिंह मदाफरपुर बाजार स्थित विदेशी मदिरा की सरकारी दुकान पर पहुंचे इस दौरान उनके द्वारा स्टाक रजिस्टर, स्टाफ तथा दुकान पर मौजूद मच गया की बोतल की गुणवत्ता की जांच की गई। प्रशासन का यह अभियान 12 दिन तक चलेगा।

विद्युत उपकेन्द्र में जलजमाव से गिरकर चोटहिल हो रहे उपभोक्ता

जेठवारा, प्रतापगढ़। जेठवारा विद्युत उपकेंद्र पर विगत कई वर्षों से मामूली सी बरसात में पानी भर जाता है जिससे घुटने तक भरे पानी से आने जाने को लोग मजबूर होते हैं। विभाग में बैठे ज़िम्मेदार लोगों को कोई चिंता नहीं है। जलभराव से परिसर में करंट फैलने का खतरा भी बना रहता है।बता दें कि इन दिनों विद्युत उपकेन्द्र में बारिश की वजह से जलजमाव हुआ है। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। कई बार तो विद्युत उपभोक्ता जलभराव के कारण पानी में गिरकर फिसल गये हैं और चोटहिल भी हुए हैं। जब उपखंड अधिकारी गौरव कुमार से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि जल्द ही समस्या का निदान कराया जाएगा। इस समस्या को लेकर विद्युत उपभोक्ताओं ने अधिकारियों को फोन करने का प्रयास किया लेकिन अधिकारियों का फोन नहीं उठता। विद्युत विभाग के अधिकारियों के कान में जूं नहीं रेंग रही है। विद्युत उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए जलभराव से मुक्ति दिलाये जाने की मांग की है।

श्रम विभाग ने सघन चेकिंग अभियान दो बच्चों को छुड़ाया

पट्टी, प्रतापगढ़। नाबालिक बच्चों को काम पर से रोकने के लिए प्रशासन के निर्देश पर श्रम विभाग ने शनिवार को पट्टी नगर में सघन चेकिंग अभियान चलाकर पट्टी नगर की दुकानों और प्रतिष्ठानों का जायजा लिया एक दुकान पर काम कर रहे दो बच्चों को छुड़ा कर चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। पट्टी नगर में श्रम प्रवर्तन अधिकारी डॉ महेंद्र सिंह सचिन द्विवेदी और चाइल्ड लाइन 1098 के केंद्र समन्वयक नसीम अंसारी ने नो चाइल्ड लेबर अभियान के तहत पट्टी नगर में भ्रमण किया इस दौरान पट्टी नगर की कई दुकानों और प्रतिष्ठानों में चेकिंग करने पर रायपुर रोड पर गैरेज की दुकान पर दो बच्चे काम करते हुए दिखाई दिए जिस पर अधिकारियों ने बच्चों को छुड़ाया और हिदायत देकर छोड़ दिया शासन के निर्देश पर नो चाइल्ड लेबर अभियान के तहत जनपद में 30 अगस्त तक यह अभियान चलाया जा रहा है सचिन द्विवेदी ने बताया कि बाल श्रमिकों से कार्य न कराए बाल श्रम अपराध है।

दौड़ प्रतियोगिता में नीरज को प्रथम व रोहित को मिला दूसरा स्थान

नेहरु युवा केन्द्र के निर्देशानुसार हुआ कार्यक्रम

पट्टी, प्रतापगढ़। शनिवार को ब्लॉक आसपुर देवसरा के ग्राम सभा बाभन पुर के शहीद स्थल रूर में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राकेश कुमार सिंह के द्वारा नेहरू युवा केंद्र संगठन प्रतापगढ़ के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 दौड़ का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में युवा शक्ति के संयोजक राम प्रकाश पांडे ने ध्वजारोहण किया एवं पूर्व बी.डी.सी. दिनेश सिंह, अंगद पांडे पूर्व ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अजीत गुप्ता, अमित सिंह राहुल पाल एवं अन्य साथियों के साथ राष्ट्रगान गाया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि राम प्रकाश पांडे ने आजादी का अमृत महोत्सव फिट इंडिया फ्रीडम 2.0 के बारे में विस्तार से बताते हुए हैं 2 कि.मी. दौड़ को हरी झंडी दिखाकर दौड़ को प्रारंभ करवाया, जिसमें प्रथम स्थान पर ग्राम रूर के नीरज पाल, द्वितीय स्थान पर ग्राम सेतापुर के रोहित मौर्य और तृतीय स्थान पर ग्राम ढाढ़र के धर्मेंद्र सरोज रहे। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के हाथों प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नीरज पाल को गोल्ड कलर मेडल से, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले रोहित मौर्य को पूर्व बीडीसी दिनेश सिंह के द्वारा सिल्वर कलर मेडल से एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धर्मेंद्र सरोज को अमित सिंह के द्वारा ब्लू कलर मेडल से सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि रामचन्दर वर्मा, शनी सिंह, आकाश सिंह, मयंक श्रीवास्तव, विवेक सिंह, सत्यम यादव, नीरज, विपुल सिंह, राहुल यादव, अमित तिवारी, अजीत शर्मा, पवन यादव, जय शंकर उपाध्याय, मुकेश पाल आदि लोग उपस्थित रहे।

पं0 रामयज्ञ पाण्डेय युवाओ के प्रेरणास्रोत थे : अनिल प्रताप

प्रतापगढ़। आचार्य नरेंद्र देव माध्यमिक विद्यालय नरेंद्र नगर विनैका, पट्टी प्रतापगढ के पूर्व प्रधानाचार्य स्व पं रामयज्ञ पाण्डेय की पुण्य तिथि उनके निजी आवास पर काव्य सम्मेलन के साथ सद्भावना दिवस के रूप मे आयोजक कई विद्यालयों के प्रबंधक व समाजसेवी पं अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात के नेतृत्व में उनके पुत्र शिक्षक पं राकेश कुमार पाण्डेय व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल ब्राह्मण विकास प्रतिष्ठान-भारत संगठन पं कमलेश रामयज्ञ पाण्डेय के सानिध्य मे मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पं संगमलाल त्रिपाठी भंवर और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित चन्द्रकान्त त्रिपाठी चन्द्र रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पं अनिल प्रताप त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व प्रधानाचार्य स्व रामयज्ञ पाण्डेय युवाओ के प्रेरणा स्रोत थे। ऐसे महामानव को शत शत नमन करते हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता पं दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि बड़े भाई पूर्व प्रधानाचार्य की कठिन मेहनत से गांव का विद्युतीकरण हुआ था। कार्यक्रम को डा0 कैलाशनाथ पाण्डेय ने कविता के माध्यम से पूर्व प्रधानाचार्य को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर शिक्षक पं राकेश पाण्डेय, पं ब्रम्हदेव मिश्रा, पं राजेन्द्र मिश्रा, आचार्य नरेंद्र देव माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य पं शशिभाल त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे। राष्ट्रीय कवियत्री पं मीरा तिवारी, सुप्रसिद्ध कवियत्री पं प्रीती पाण्डेय ने अपनी कविता से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राजकीय मेडिकल कालेज के महिला अस्पताल का लिफ्ट खराब

प्रतापगढ़। राजकीय मेडिकल कालेज के जिला महिला अस्पताल की नई बिल्डिंग में लगे दोनों लिफ्ट इन दिनों खराब चल रहे हैं। इस समय बीमार तथा बुजुर्गों को तीसरी मंजिल तक पहुंचाने में लोगों को कठिनाई हो रही है।

बता दें कि तीसरी मंजिल पर कोरोना का टीका भी लग रहा है जहां रोज भीड़ हो रही है। बुजुर्ग भी अभी अपना दूसरा डोज लगवाने आ रहे हैं लेकिन लिफ्ट न होने से उन्हें सीढ़ी में चढ़ने में भारी दिक्कत हो रही है। इस बारे में राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 आर्य देश दीपक ने बताया कि इस लिफ्ट को लगाने वाली कम्पनी को पत्र भेजा गया है। कुछ देर होने पर दुबारा सम्पर्क किया गया है। अब आशा है कि तीन चार दिनों में लिफ्ट बन जाएगी। महिला अस्पताल में इन दिनों ज्यादा भीड़ हो रही है और ऊपर की मंजिल पर जाने के लिये अब केवल सीढ़ी का ही सहारा बचा है। लिफ्ट बन जाने से बुजुर्गों व तीमारदारों को आसानी मिलेगी।

रिक्त हुए संकुल शिक्षकों का करें चयनः प्राचार्य

मिशन प्रेरणा के तहत हुई समीक्षा बैठक

मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के अधिगत स्तर में वृद्धि करने के उद्देश्य से सपोर्टिव सुपरविजन की समीक्षा उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अतरसण्ड मुहम्मद इब्राहीम की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी कालाकांकर, रामपुर संग्रामगढ़, सदर, शिवगढ़ व 61 एआरपी उपस्थित रहे। बैठक में प्राचार्य द्वारा डायट मेण्टर्स, एसआरजी व एआरपी को मोहल्ला क्लासेज का अवलोकन करने एवं अवलोकन करने के दौरान बच्चों को प्रेरणा सूची व प्रेरणा लक्ष्य के बारे में बताने व उसका अवलोकन कराने के लिये छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये गये। प्राचार्य ने एक सितम्बर से खुल रहे प्राथमिक विद्यालयों में साफ-सफाई, सेनेटाइजेशन पर भी चर्चा किया। प्राचार्य ने कोविड की महामारी में स्वर्गवास हुए संकुल शिक्षक व स्थानांतरण के कारण रिक्त हुए संकुल शिक्षकों के स्थान पर नये संकुल शिक्षक का चयन करने हेतु निर्देशित किया।

बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में युवक घायल, गंभीर

पट्टी, प्रतापगढ़। दो बाइक की आमने सामने टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की मदद से उसे एंबुलेंस द्वारा सीएचसी पट्टी भिजवाया गया है जहां पर उसका इलाज चल रहा है। शनिवार को दिन में करीब साढे बारह बजे के आसपास सुल्तानपुर जनपद के कादीपुर का रहने वाला कमलेश कुमार उम्र (35) वर्ष पुत्र कमला प्रसाद अपने ससुराल पट्टी कस्बा आ रहा था। इस दौरान साढे बारह बजे के आसपास जब वह नारंगपुर बाजार के पास पहुंचा था तो उसे किसी अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में उसे गंभीर चोटें आई है, उसके सर में भी चोट लगी है, वहीं मौके पर जुटे आसपास के लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से उसे सीएचसी लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद सूचना पुलिस को दी गई।

तीन कोरोना पाजिटिव स्थल माइक्रो कन्टेनमेन्ट जोन घोषित

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) की जांच में तहसील क्षेत्र रानीगंज अन्तर्गत सांध सिलौंधी गौरा व तहसील क्षेत्र सदर अन्तर्गत 530-सदर बाजार व अकोढ़िया मानधाता में कोरोना पाजिटिव केस पाये जाने के दृष्टिगत कोविड-19 के फैलाव को रोकने एवं बचाव व नियंत्रण हेतु इन तीन स्थलों के 25 मीटर एरिया को अग्रिम 14 दिवस तक अस्थाई रूप से माइक्रो कन्टेनमेन्ट/कलस्टर जोन घोषित किया है।

प्रसव के लिये आई महिला की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

प्रतापगढ़। नगर के रोडवेज बस स्टेशन के पास एक नर्सिंग होम में प्रसव के लिये आई एक महिला की मौत हो जाने पर परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि यहां चिकित्सकों की लापरवाही से महिला की मौत हुई है। बताया जाता है कि कंधई कोतवाली क्षेत्र के दरछुट गांव निवासी पूजा मौर्या नामक युवती डिलीवरी के लिये इस नर्सिंग होम में आई थी। आरोप है कि इलाज के दौरान पूजा की मौत होने के बाद चिकित्सक ने उसे बाहर कहीं और ले जाने के लिये कहने लगे। इस पर मरीज के तीमारदार भड़क गये। इसी दौरान युवती की मौत हो गई। इसके बाद परिजन रोने-चिल्लाने लगे और चिकित्सक पर आरोप लगाने लगे। नर्सिंग होम के सामने काफी भीड़ लग गई। इसकी सूचना पाकर सीओ सिटी अभय पाण्डेय भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया।

सीएम ने रानीगंज विधायक के पत्र का लिया संज्ञान

प्रतापगढ़। रानीगंज विधायक अभय कुमार धीरज ओझा की मेहनत रंग लाई। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ से विधायक धीरज ओझा ने मुलाकात कर शहीद चंद्रलोक तिवारी को शहीद का दर्जा 50 लाख की सहायता करने की मुख्यमंत्री से मांग की थी। साथ ही बदमाशों की गोली से घायल पीआरडी जवान पवन कुमार तिवारी के उपचार व परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मुख्यमंत्री से विधायक धीरज ओझा ने मांग की थी। इस पर विधायक के पत्र को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेकर अपर मुख्य सचिव गृह, अपर मुख्य सचिव युवा कल्याण को कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

समाधान दिवस में सात मामलों का हुआ निस्तारण

पट्टी, प्रतापगढ़। शनिवार को पट्टी कोतवाली में आयोजित समाधान दिवस के अवसर पर कुल तेरह मामले फरियादी लेकर पहुंचे जिसमें दो का त्वरित निस्तारण किया गया राजस्व के कुल 7 पुलिस विभाग के 6 मामले सामने आए कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम पट्टी धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया मौके पर पट्टी कोतवाल गणेश प्रसाद सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ललही छट्ठः विधि विधान से पूजी गई ललही माता

सुनी कथा गाये माता की महिमा के गीत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों मे लोक पर्व ललही छट्ठ परम्परा गत ढंग से मनाया गया। इसकी तैयारी व्रती महिलाओं ने एक दिन पूर्व ही कर लिया था। सुबह पूजा की थाल सजा शिव मंदिर परिसर पहुंची। जहा विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन किया गया । नगर के बाबा बड़े शिव धाम, हनुमान गढ़ी, सिद्धेश्वरनाथ धाम, जोगीबीर मंदिर, बाबा कबूतर नाथ, गोपेश्वरनाथ सहित अन्य शिव मंदिर और शिवालय के पास बड़ी संख्या में महिलाओं की भीड़ लगी रही। जहां विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन किया गया।

पुत्र की दीर्घायु जीवन की कामना के साथ स्नान ध्यान कर व्रत धारण करने वाली महिलाए पूजन सामग्री की थाल सजा कर शनिवार को शुभ मुहूर्त में शिव मंदिर और शिवालय पर गाजे बाजे के साथ पहुंची, हनुमान गढी मंदरि पर मेले का भी आयोजन रखा गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से महिला पुलिस के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहे। हनुमान गढ़ी मंदिर पर आयोजकों ने सुन्दरकाण्ड का भी आयोजन रखा। इस मौके पर विजय साहू, मनोज जायसवाल, जवाहरलाल गुप्ता, ओम प्रकाश माली, प्रदोष पंडा, विनय गुप्ता, कवी मोदनवाल, राम लखन, देव नारायण साहू, अजय गुप्ता समेत रहे।

उद्यमियों का साक्षात्कार 01 सितम्बर को

भदोही। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहरलाल ने बताया कि मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के अंतर्गत उद्यमियों के चयन/साक्षात्कार परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी विंध्याचल मंडल मिर्जापुर की अध्यक्षता में दिनांक 01 सितंबर 2021 को समय 12:00 बजे की तिथि निर्धारित की गई है। अतः उक्त तिथि को जिला ग्रामोद्योग कार्यालय प्रोफेसर कॉलोनी ज्ञानपुर, जनपद भदोही में उपस्थित होकर चयन की कार्यवाही पूर्ण कराने का कष्ट करें।

बारिश में गिरे दालान पर कब्जा करने का आरोप

पीड़ित ने न्याय के लिए आला अधिकारियों से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के चकनिरंजन गांव में बारिश के दौरान गिरे मकान को पड़ोसी बनाने नही दे रहे हैं। पीड़ित परिवार मड़हा आदि बनाकर परिवार के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। उनके आतंक से परिवार के लोग घर छोड़ दिए हैं। गांव निवासी परमात्मा राम उपाध्याय ने थाने में सुनवाई न होने पर पुलिस अधीक्षक के साथ जनसुनवाई के तहत समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली उत्तर प्रदेश को आन लाइन जानकारी देकर न्याय की गुहार लगाई है।

प्रार्थना पत्र में अवगत कराया कि दस दिन पूर्व बारिश के दौरान उनका पुश्तैनी दालान गिर गया। जिससे उनका परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया। पीड़ित परिवार मड़हा में पत्नी आदि डालकर रह रहे हैं। तीन दिन पूर्व अपने दालान को बनवाने के लिए नीव की खुदाई कराने गये तो कुछ दबंग लोगों के साथ मौके पर पहुंच कर मारपीट करने लगे। उक्त दबंग लोग उसके पुश्तैनी दालान पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। दबंगो की धमकी से परेशान परिवार के लोग घर छोड़ने को मजबूर है। न्याय की गुहार लगाते हुए इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम प्रधान व बीडीसी से मिले एमएलसी पुत्र सिद्धार्थ सिंह एमएलसी पुत्र व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ज्ञानपुर का किया गया स्वागत

गोपीगंज। क्षेत्र के जोगिनका गांव में समाजसेवी बेचन सिंह के आवास पर एमएलसी बृजेश सिंह के पुत्र सिद्धार्थ सिंह और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अखिलेश्वर प्रताप सिंह बबलू का स्वागत व अभिनंदन किया गया।

स्वागत अभिनंदन और परिचय समारोह में मौजूद ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व गांव के लोगों ने एमएलसी पुत्र सिद्धार्थ सिंह के साथ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि का बेचन सिंह के पुत्र हिमांशु सिंह राहुल के साथ माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस मौके पर सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि समाज सेवा करने की इच्छा लेकर आप लोगों के बीच मौजूद हूं, आप सभी का आशीर्वाद चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख पति ने कहा सभी लोगों के सहयोग से मेरी पत्नी को ब्लाक प्रमुख का दायित्व दिलाया गया है, उसके लिए मैं सभी लोगों का कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं, साथ ही कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित हूं। ज्ञानपुर ब्लाक के क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई जाएगी। कार्यक्रम का संचालन उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भूपेश सिंह, संजय सिंह, गुदानी सिंह, अवनी सिंह, अजय सिंह, गप्पू सिंह, पन्त सिंह, नंद सिंह, रिंकू सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गैरहाजिर चल रहे शिक्षक को कारण बताओ नोटिस

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानपुर ने तकरीबन सालभर से गैरहाजिर चल रहे एक शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। लंबे समय से गैरहाजिरी के कारण उक्त शिक्षक के वेतन भुगतान पर भी रोक लगाई गई है। बीईओ रवींद्र शुक्ल ने नोटिस में कहा है कि एक सप्ताह के अंदर उक्त शिक्षक उनके कार्यालय में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे, अन्यथा उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी।यह मामला विकास खंड ज्ञानपुर के प्राथमिक विद्यालय हरिहरपुर सानी का है। यहां पर नियुक्त सहायक अध्यापक विनय कुमार विश्वकर्मा जुलाई-अगस्त 2020 से ही स्कूल आने में गैरहाजिरी करने लगे थे। इसके बाद सितंबर 2020 से विनय ने स्कूल आना पूरी तरह से बंद कर दिया। बिना किसी जानकारी के स्कूल नहीं आने के कारण विभाग ने विनय विश्वकर्मा के वेतन भुगतान पर सितम्बर माह से ही पूर्णतया रोक लगा दी।

कई बार सूचना भेजे जाने के बाद भी सहायक अध्यापक विनय विश्वकर्मा की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। इस पर खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानपुर रवींद्र शुक्ल ने उक्त शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा है कि वह सप्ताहभर के अंदर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष स्पष्ट करें, अन्यथा की स्थिति में विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी।

युवाओं ने किया सड़क जाम का प्रयास

सुरियावां। क्षेत्र के बाईपास चौराहे पर सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं ने चक्का जाम करने की कोशीश को थानाध्यक्ष ने समझाने बुझाने के बाद उनका ज्ञापन लेकर उन्हें वापस भेज दिया। बताया जाता है कि भारी संख्या में सेना की तैयारी कर रहे युवा बाईपास चौराहे पर पहुंच कर सड़क को जाम करने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे सुरियावा थानाध्यक्ष जय प्रकाश यादव ने उन्हें समझाने बुझाने के साथ ही उनकी मांगों का ज्ञापन लिया। युवाओं ने कहा कि सेना भर्ती कार्यालय छावनी परिसर रणबांकुरे स्टेडियम वाराणसी द्वारा पिछले तीन वर्षों से सेना भर्ती को लेकर रोक लगाई गई है।

संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएं शिकायतें : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के साथ एसपी रामबदन ने ऊंज थाने में सुनी फरियाद

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। माह के चतुर्थ शनिवार को आयोजित संपूर्ण थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने संयुक्त रूप से शिकायतें सुनीं। थाना ऊंज में आयोजित थाना-समाधान दिवस में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा कि थाना दिवस में आने वाले सभी फरियादियों की सुनवाई पूरे संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित की जाए और उनका समाधान भी वास्तविक व गुणवत्ता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जिस प्रकरण में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त जांच की आवश्यकता हो, उसमें मौके पर जाएं और उसका समाधान अनिवार्य रूप से करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनसमस्याओं को लेकर आमजन कहीं भटकें न और व्यर्थ में उसे भागदौड़ न करनी पड़े। समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो, इसके लिए इस दिवस का आयोजन किए जाने का निर्देश है। उल्लेखनीय है कि अब प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को संपूर्ण समाधान थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने आमजन से भी अपेक्षा करते हुए कहा कि वह अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित दिवसों में अपने संबंधित थानों में समस्याओं को लेकर जाएं और उसका समाधान कराएं।

निर्धारित समय सीमा में हो शिकायतों का समाधान

पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि आने वाले हर जन फरियादी के साथ पूरी संवेदनशीलता और उचित व्यवहार के साथ उसकी समस्या को सुनें और उसका समाधान कराएं। इस अवसर पर राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य जुड़े अधिकारी आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार जनपद के अन्य थानों में इस दिवस का आयोजन किया गया और मामले की सुनवाई की गई निर्धारित रोस्टर अनुसार अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं अन्य संबंधित अधिकारी तहसीलदार अपने संबंधित थाने में उपस्थित रहकर फरियादियों की सुनवाई करे।

एसपी ने किया महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने थाना ऊंज परिसर में हो रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने निर्माण एजेंसी को सख्त हिदायत दी है कि 31 अक्टूबर 2021 तक निर्माण कार्य को पूर्ण कर हैंडओवर करा दिया जाए। पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह थाना में बने महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षक कर आने वाली शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्देश दिया।

डाकघर को सप्ताहभर में भुगतान का आदेश

थाना दिवस के अवसर पर फरियादी अपने पैसे पोस्ट आफिस में फिक्स डिपोजिट का समय पूर्ण होने पर बार-बार पोस्ट आफिस का चक्कर लगाने पर प्रार्थी अपना शिकायत पत्र थाना दिवस में देने पर जिलाधिकारी ने पोस्ट आफिस के अधिकारी को मौके पर बुलाकर प्रार्थी के पैसे एक सप्ताह के अंदर निकालने का निर्देश दिया। कहा कि पैसे निकालकर रिपोर्ट भी अवगत कराये। एसपी रामबदन सिंह ने गोपीगंज में पहुँचकर आने वाले फरियादियों की शिकायतें सुनीं।

वित्तीय सुविधाएं ही व्यवसाय का जीवन रक्त

केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय में वेबिनार का आयोजन

अखंड भारत संदेश

घोसिया। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति तृतीय चरण के अंतर्गत अगस्त माह के चतुर्थ शनिवार को महिलाओं एवं बालिकाओं में उद्यमिता के लिए आवश्यक तकनीकी एवं वित्तीय सहायता विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता महिला महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. प्रतिमा गोंड रहीं। कार्यक्रम में लगभग 70 से अधिक छात्राओं ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति के संयोजक अनुज कुमार सिंह ने सर्वप्रथम मुख्य वक्ता समस्त प्राध्यापक गण प्राचार्य एवं वेबिनार में प्रतिभाग कर रही समस्त नारी शक्ति छात्राओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमिता का अर्थ महिला उद्यमियों को एक महिला या महिलाओं के समूह के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो एक व्यवसायिक संस्था की शुरुआत आयोजन और संचालन करती हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए समाज में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए खुद में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए समाज में समान स्थिति का दावा करने के लिए एवं अधिक स्वतंत्रता एवं गतिशीलता को सुरक्षित करने के लिए ही महिलाएं उद्यमी बनती हैं। इनकी उद्यमिता के पीछे कई कारक उत्तरदायी होते हैं। जैसे आर्थिक आवश्यकता उच्च उपलब्धि की इच्छा आत्मविश्वास और आत्मसम्मान भी इनके पीछे हैं। वित्तीय सुविधाएं ही व्यवसाय का जीवन रक्त होती हैं। महिला उद्यम निधि विपणन विकास कोष आदि जैसी कई वित्तीय योजनाएं केवल महिला उद्यमियों के लिए स्थापित की गई हैं। इसके अलावा बैंक विकास वित्त संस्थान भी महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं सरकारी एवं गैर सरकारी निकायों ने महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए चलाई हैं, बहुत सारे रोजगार के अवसरों का सृजन भी किया गया है। मुख्य वक्ता डॉ. प्रतिमा गोंड ने बहुत ही सुंदर तरीके से विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने अपने व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वृज किशोर त्रिपाठी ने कार्यक्रम के अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महिलाओं एवं छात्राओं के लिए उद्यमिता विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर एवं स्वाबलंबी होने के लिए आर्थिक रूप से ही केवल स्वतंत्र होना जरूरी नहीं है और इसके लिए छात्राओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी व व्यवसायिक शिक्षा का भी ज्ञान अत्यावश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की आधी आबादी भी अगर इस ओर उन्मुख हो जाए तो देश की आर्थिक सामाजिक व राजनैतिक प्रगति अवश्य संभव है। कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक जयकुमार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे सभी को अपना धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण ऑनलाइन उपस्थित रहे।

दर्जनों की संख्या में बसपा को छोड़ लोगों ने ली सपा की सदस्यता

सभी ने 2022 में अखिलेश यादव की सरकार बनाने का लिया संकल्प

रैबीज के संक्रमण से युवक की मौत, सात माह पहले कुत्ते ने काटा था

अखंड भारत संदेश

चौरी। थाना क्षेत्र के सुरहन गांव के रहने वाले एक युवक की कुत्ता काटने से मौत हो गई। युवक का इलाज वाराणसी के एक अस्पताल में चल रहा था। जैसे ही इस हादसे की सूचना घर पहुंची, कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक सुरहन निवासी विनय तिवारी (40) पुत्र राधेश्याम तिवारी को सात माह पूर्व गांव में एक पागल कुत्ते ने काट लिया था। परिजनों ने उन्हे रैबीज (एआरवी) का इंजेक्शन लगवाया था। इन दिनों विनय तिवारी मुंबई में रहकर अपना काम करते थे। चार दिन पूर्व मुंबई में उनका स्वास्थ्य अचानक गड़बड़ होने लगा। इस परवह मुंबई से गांव चला आया। परिजनों के द्वारा विनय कुमार को इलाज के लिए बीएचयू में भर्ती कराया गया। जहां पर शुक्रवार की रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पति के मौत की खबर मिलते ही पत्नी मनोरमा की रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक को तीन बेटियां व एक बेटा है। एक बेटी की शादी हो चुकी है। इस घटना से गांव में शोक व्याप्त है।

पेट्रोल पंप पेट्रोल युवक की देखी गई दबंगई

जला नोट बदलने की बात पर आग बबूला हुआ युवक पम्प कर्मी को पिटा

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के गोपपुर मे राजमार्ग पर स्थित कस्तूरचंद एंड सन्स पेट्रोल पंप पर सरई मिश्रानी गांव निवासी कबीर दास बिंद नामक पंप कर्मी को ड्यूटी के दौरान बंजारी गांव निवासी एक युवक पेट्रोल भरवाने के बाद जली नोट देने लगा जिस पर पंप कर्मी ने एतराज किया और नोट को बदलने की गुजारिश की इतना सुनते ही आग बबूला हुआ युवक पंप कर्मी को बेदर्दी के साथ लात जूतों से पिटाई करने लगा। इस दौरान पंप कर्मी का रुपयों से भरा बैग भी जमीन पर गिर गया और बैग के रुपये तितर-बितर भी हो गए। पम्प कर्मी का आरोप है कि मारने पीटने के दौरान दबंग युवक 25210 रुपया भी लेकर भाग गया है। उक्त घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है जिसमे साफ दिख रहा है दबंग पम्प कर्मी का पिटाई कर रहा है पम्प कर्मी गम्भीर रुप घायल हो गया है। पंप कर्मी के द्वारा गोपीगंज थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांगी की गई है। खबर लिखे जाने तक कोई कार्यवाही नही की गई थी।

मामला है राजमार्ग गोपपुर स्थित पेट्रोल पंप का

हरियाली तीज उत्सव में जमकर झूमीं महिलाएं

अखंड भारत संदेश

भदोही। मारवाड़ी युवा मंच अन्नपूर्णा शाखा की ओर से शनिवार को लक्सा स्थित मारवाड़ी युवक संघ में हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया। रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में संस्था की सचिव अलका अग्रवाल ने गणेश वंदना से शुरुआत की। प्रार्थना जैन एवम् उन्नति जैन ने राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। कविता मित्तल ने कजली गीत गाया। संस्था द्वारा अप्रैल से अगस्त तक के ऑनलाइन प्रतियोगिता में विजयी रहे बच्चों को पुरस्कार भी दिया गया।

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.बी पांडेय व समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव तथा जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति शनिवार को इनारगांव में रहे। जहां पर उनके नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में लोगों बसपा को छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में जटाशंकर गौतम होलईपुर, भलंधर गौतम बिशुनपुर, छोटेलाल गौतम, सूर्यमणि गौतम, नंदलाल गौतम, हरेंद्र कुमार प्रजापति, माता अंबर भारती, राधेश्याम भारती, भोलू पासवान, अजय भारती, अंकित भारती, पंकज भारती, कृष्ण कुमार भारती, सुरेंद्र कुमार यादव, लल्लू राम, राजकुमार पंचू, रामप्यारे, कमलेश गौड़, जय शंकर गौड़, गोली प्रजापति, रामराज, लालचंद गौड़, सोनू गौड़, महाबली गौड़, संतलाल गौड़, संजय गौड़, ब्लास्टर, धीरज, साहब लाल, राधे पासी, लोलारख गौड, पप्पू गौतम सुरेंद्र कुमार शामिल हैं। पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने सभी को सदस्यता ग्रहण कराई। समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले बसपा के समर्थकों ने 2022 में प्रदेश में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

अनियंत्रित वाहन रेलवे गेट में भिड़ा, सुरक्षित बचे रेल कर्मी

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। नगर के ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर स्थित आनापुर रेलवे गेट पर अनियंत्रित बोलेरो लेकर चालक उस समय गेट में जा टकराया जब गेट खुला हुआ था और रेलकर्मी ट्रैक पर काम कर रहे थे। संयोग अच्छा रहा कि वाहन रेलवे गेट का बूम तोड़ते हुए रुक गया और ट्रैक पर काम कर रहे कर्मी भाग खड़े हुए। जिससे बड़ा हादसा टल गया। वरना कई लोग दुर्घटना के शिकार हो जाते। मौके पर पहुची रेलवे पुलिस वाहन को कब्जे में ले लिया है।

घटना के सम्बन्ध में बताया जाता है कि प्रयागराज जनपद से एक व्यक्ति अपना वाहन लेकर झम्मनपुर गांव आया था। जहां से चालक वाहन लेकर गोपीगंज गया था वापस लौटते समय गेट के समीप पहुंचने पर चालक नियत्रण खो बैठा और वाहन लेकर ट्रैक पार करते हुए गेट के बूम मे जा टकराया। घटना मे रेलवे गेट का बूम टूट गया अनियंत्रित वाहन को देख ट्रैक पर काम कर रहे कर्मी भाग खड़े हुए।

सम्पादकीय

काबुल में आतंकी धमाके

बड़ा सवाल यह है कि महीने के आखिर तक वापसी की यह प्रक्रिया संपन्न हो जाने के बाद अफगानिस्तान का क्या होगा और जो भी होगा, उसका आसपास के देशों पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। अब तक मुख्य चिंता यही सामने आ रही थी कि तालिबान का शासन आधुनिक मूल्यों में यकीन रखने वाले अफगानों, वहां की महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक करेगा। काबुल एयरपोर्ट पर गुरुवार को हुए आत्मघाती हमले ने अफगानिस्तान में उस भीषण दौर की शुरुआत का संकेत दे दिया है जिसकी आशंका थी। कैसी त्रासदी है कि तालिबान शासन में होने वाली दुर्गति से बचने के लिए किसी भी कीमत पर वहां से निकलने को बेकरार लोग एक तरफ विमान के पहियों के नीचे आने या आसमान से गिरने जैसे अंजाम को पहुंच को तैयार हो रहे हैं तो दूसरी तरफ आतंकी हमले का शिकार हो रहे हैं। लेकिन गुरुवार की घटना में मारे जाने वालों में सिर्फ अफगानिस्तान के लोग नहीं हैं। वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद कर रहे 13 अमेरिकी सैनिकों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी है। निश्चित रूप से अमेरिका में इसकी तीखी प्रतिक्रिया होगी। लेकिन अमेरिकी सरकार के सामने फिलहाल ज्यादा विकल्प नहीं हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान से भी इसका संकेत मिलता है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका इसे न तो भूलेगा और न ही माफ करेगा। इसके लिए जिम्मेदार लोग जहां कहीं भी होंगे उन्हें हर हाल में ढूंढकर उनके किए की सजा दी जाएगी।

साफ है कि यह एक लंबा काम है। फिलहाल उनका भी ध्यान जान माल का और कोई नुकसान झेले बगैर वहां से वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने पर लगा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि महीने के आखिर तक वापसी की यह प्रक्रिया संपन्न हो जाने के बाद अफगानिस्तान का क्या होगा और जो भी होगा, उसका आसपास के देशों पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। अब तक मुख्य चिंता यही सामने आ रही थी कि तालिबान का शासन आधुनिक मूल्यों में यकीन रखने वाले अफगानों, वहां की महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक करेगा। पंजशीर से भले तालिबान की ओर चुनौती उछाली जा रही हो, मगर दोनों पक्षों में सीधे टकराव के हालात नहीं बने थे। दोनों के अपने अलग इलाके थे। मगर आईएसआईएस- के की ओर से किया गया ताजा आतंकी हमला बताता है कि वह तालिबान के लिए लंबा सिरदर्द साबित होने जा रहा है। अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों में अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई में दोनों पहले से ही टकराते रहे हैं। आईएसआईएस का कहना है कि तालिबान अमेरिकियों की मिलीभगत से अफगानिस्तान में काबिज हुए हैं। जाहिर है, उसकी ओर से तालिबानी शासन को ऐसी चुनौतियां मिलती रहने वाली हैं। यह चुनौती कितनी कमजोर या मजबूत होगी और आखिरकार इस रस्साकशी में दोनों में से कौन भारी पड़ेगा, इससे बाहरी दुनिया को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला। दोनों की यह लड़ाई बेकसूरों की जान लेते हुए आगे बढ़ेगी और वहां के समाज को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाती चलेगी। यही नहीं, अपना ज्यादा प्रभाव साबित करने के चक्कर में ये अफगान सीमा के बाहर भी आतंकी वारदात को अंजाम देने की कोशिश करने से नहीं चूकेंगे। कुल मिलाकर भविष्य के लिए संकेत अच्छे नहीं हैं।

विभीषिका का स्मरण या विभाषिका के लिए स्मरण

आशीष पांडेय

द्रसवाल तो यह है कि क्या 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' की नरेंद्र मोदी की कल्पना, इस भयानक त्रासदी को याद रखने के अब तक के प्रयासों की मुख्यधारा के काम में कुछ जोड़ती है, उसे आगे बढ़ाती है शायद नहीं। बेशक, यह दिन विभाजन की विभीषिका के स्मरण के लिए है। लेकिन, ऐसी किसी भी विभीषिका का स्मरण अपने आप में काफी नहीं होता है। इतना ही महत्वपूर्ण यह भी होता है कि विभीषिका को हमें किसलिए याद रखना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता के साल भर चलने वाले अमृत महोत्सव की पू व-संध्या में, ट्वीट कर के जिस तरह अचानक इसका ऐलान किया कि अब से 14 अगस्त के दिन का 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में पालन किया जाएगा, उसने जाहिर है कि खुद शासन में शामिल लोगों समेत सभी को चौंकाया है। हालांकि, प्रधानमंत्री के ट्वीट के कुछ ही अंतराल पर, इस संबंध में जाहिर है कि ट्विटर समेत औपचारिक गजट सूचना भी जारी कर दी गई, फिर भी ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी की खास निर्णय शैली के अनुरूप, यह फैसला भी बिना किसी खास विचार-विमर्श के, प्रधानमंत्री कार्यालय के सीमित दायरे में ही लिया गया है। अचरज नहीं है कि भाजपा प्रवक्ता बिना रत्तीभर समय गंवाए, मोदी सरकार के 'विभाजन विभीषिका स्मरण' के 'कदम' का गुणगान करने में जुट गए, फिर भी सच्चाई यही है कि इन पंक्तियों के लिखे जाने तक, इसका कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है कि स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले, इस नये दिवस के पालन का राष्ट्र की ओर से फैसला लेने से पहले, राजनीतिक राय के अन्य हिस्सों से परामर्श करने या किसी भी तरह की सार्वजनिक बहस की तो बात ही क्या करना, केंद्रीय मंत्रिमंडल तक में इस विषय में कोई चर्चा की गई हो! जाहिर है कि बिना किसी विमर्श के हठात इस तरह के दिवस के पालन का ऐलान, इस 'विभाजन विभीषिका स्मरण' की गंभीरता को और वास्तव में इसके वास्तविक उद्देश्यों को ही गहरे संदेहों के दायरे में खड़ा कर देता है।

अचरज नहीं कि कई टिप्पणीकारों ने इस स्मरण को विधानसभाई चुनाव के अगले चक्र के तकाजों से जोड़कर देखा है, जिसमें उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड के चुनाव भी शामिल हैं, जहां अपनी सरकार बचाने के लिए भाजपा को, मुस्लिमविरोधी हिंदुत्ववादी लामबंदी की खासतौर पर जरूरत पड़ सकती है। ऐतिहासिक किसान आंदोलन का संचालन करने वाले, संयुक्त किसान मंच के भाजपा को हराने के स्पष्ट संकल्प के साथ अपने 'मिशन उत्तर प्रदेश' तथा 'मिशन उत्तराखंड' का ऐलान करने के बाद, जाहिर है कि हिंदुत्ववादी लामबंदी पर भाजपा की निर्भरता और ज्यादा बढ़ गई है। लेकिन, इस 'विभीषिका स्मरण' के पीछे के राजनीतिक-चुनावी खेल पर हम फिर कभी चर्चा करेंगे। फिलहाल तो हम खुद को इस 'विभीषिका स्मरण' के चरित्र और भूमिका तक ही सीमित रखना चाहेंगे। इस नये दिवस के पालन के अपने फैसले को ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहाः ''देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों एवं भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी।'' अगली सुबह, स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इस विवरण में बड़ी संख्या में लोगों को अंतिम संस्कार तक नसीब नहीं होने की बात और जोड़ी। बेशक, इस सबसे कोई असहमत नहीं हो सकता है। इस संदर्भ में किसी एक दिन का 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में पालन के लिए तय किया जाना भी, शायद ही किसी को अनुचित लगे। विभाजन की जो विभीषिका, स्वतंत्रता के साथ जुड़कर आई थी, उसके लिए स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त का दिन तय किया जाना भी उपयुक्त ही है, हालांकि यह विभीषिका किसी खास दिन तक सीमित नहीं थी बल्कि हफ्तों और महीनों में फैली रही थी। फिर भी, हालांकि यह घोषणा स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के साल भर लंबे सिलसिले की पूर्व-संध्या में आई थी, इसे महज एक और उत्सव नहीं माना जा सकता है। इसलिए, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हमें विभाजन की उस विभीषिका को क्यों याद रखना चाहिए जाहिर है कि इस विभीषिका को याद रखने की जरूरत को पहचान कर, उसकी स्मृति को दर्ज करने तथा सुरक्षित करने के प्रयत्न, विभाजन के समय से ही चले आ रहे थे। निजी इतिहासों, संस्मरणों, वृत्तांतों से लेकर, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बांग्ला और अंगरेजी के अनेक प्रमुख साहित्यकारों की बेशुमार महत्वपूर्ण कृतियां तक, इसे स्मृति को प्रभावशाली ढंग से दर्ज करती हैं। मंटो, भीष्म साहनी, खुशवंत सिंह, कृश्नचंदर और अमृता प्रीतम के नाम और इसी

प्रकार बंगाल के विभाजन के संदर्भ में फिल्मकार ऋत्विक घटक का नाम, सहज ही इस सिलसिले में जुबान पर आ जाते हैं। बेशक, इसके बावजूद इस महादेश की इस सबसे भयानक त्रासदी को याद करने के लिए जो भी किया गया हो या किया जाए, कम ही होगा। तब एक राष्ट्रीय 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' भी क्यों नहीं

लेकिन, सवाल तो यह है कि क्या 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' की नरेंद्र मोदी की कल्पना, इस भयानक त्रासदी को याद रखने के अब तक के प्रयासों की मुख्यधारा के काम में कुछ जोड़ती है, उसे आगे बढ़ाती है शायद नहीं। बेशक, यह दिन विभाजन की विभीषिका के स्मरण के लिए है। लेकिन, ऐसी किसी भी विभीषिका का स्मरण अपने आप में काफी नहीं होता है। इतना ही महत्वपूर्ण यह भी होता है कि विभीषिका को हमें किसलिए याद रखना है इस किसलिए के दो विरोधी उत्तर हमारे देश के स्वतंत्रता के फौरन बाद के दौर की एक सबसे महत्वपूर्ण और नाटकीय घटना में, हमें विरोधियों के तौर पर गुत्थमगुत्था नजर आते हैं, इसलिए हम इस घटना का किंचित विस्तार से जिक्र करना चाहेंगे। हमारा इशारा, 30 जनवरी 1948 के दिन घटी एक और त्रासदी की ओर है, जो विभाजन की त्रासदी के साथ गुंथी हुई थी–महात्मा गांधी की हत्या। बेशक, महात्मा गांधी की हत्या हिंदू सांप्रदायिकतावादियों ने की थी। वास्तव में, गांधी के जीवनीकार, प्यारेलाल के अनुसार 'गांधी-विरोधी हिंदू अतिवादियों' ने, 30 जनवरी 1948 के कामयाब हमले से पहले, पांच और नाकाम कोशिशें गांधी को मारकर रास्ते से हटाने की की थीं। गांधी की हत्या की पहली कोशिश 25 जून 1934 को की गई थी। इसके बाद, 1944 की जुलाई से लगाकर, 20 जनवरी 1948 के बीच हुई चार विफल और अंततः 30 जनवरी 1948 को गांधी की हत्या में, नाथूराम गोडसे नेतृत्वकारी भूमिका में शामिल रहा था, जो गांधी के प्रति इन ताकतों की गहरी तथा पक्की शत्रुता की ही गवाही देता है। लेकिन, यहां हम एक जरा भिन्न पहलू पर ध्यान खींचना चाहते हैं। अदालत में नाथूराम गोडसे के बयानों से और उससे भी बढ़कर, गांधी की हत्या की 20 जनवरी 1948 की आखिरी विफल कोशिश में पकड़े गए, मदनलाल पहवा के बयानों से साफ है कि स्वतंत्रता के फौरन बाद, हिंदुत्ववादी अतिवादियों ने अगर किसी भी कीमत पर गांधी की हत्या को अपना मुख्य कार्यक्रम बना लिया था, तो इसके पीछे स्वतंत्रता के साथ आई विभाजन की विभीषिका का उनका स्मरण भी था। वे गांधी की हत्या कर, अपने हिसाब से विभाजन की विभीषिका का भी बदला ले रहे थे। यही, विभाजन की विभीषिका का पहले प्रकार का स्मरण है।

उसी विभीषिका के इससे बिल्कुल भिन्न प्रकार के स्मरण का मॉडल खुद महात्मा गांधी प्रस्तुत कर रहे थे, जो इसीलिए विभीषिका को याद करने के पहले तरीके के अनुयाइयों की गोलियों के निशाने पर थे। यह मॉडल था, उस विभीषिका की निरर्थकता, दरिंदगी तथा विनाशकता के खिलाफ, उसका मुकाबला करने के लिए, मनुष्यता को जगाने का। इस विभीषिका के दौरान और उसके फौरन बाद, अपने आखिरी महीनों, हफ्तों, दिनों में, गांधी ठीक इसी मुहिम में जुटे रहे थे। और उनकी यह मुहिम पूरे अविभाजित भारतीय महादेश में फैली हुई थी। पहले स्वतंत्रता दिवस पर गांधी, पूर्वी बंगाल में दंगों की आग बुझाने में लगे थे। फिर दिल्ली तथा उत्तरी भारत के अन्य हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा की वैसी ही आग बुझाने में जुटे। और विभाजित भारत में सांप्रदायिकता की आग के ठंडा पड़ते ही, इसी मिशन को लेकर नव-गठित पाकिस्तान जाने की उनकी इच्छा थी। कहने की जरूरत नहीं है कि विभाजन की विभीषिका के स्मरण का गांधी का मॉडल, उसी समय इस विभीषिका की आग को ठंडा करने का और यह सुनिश्चित करने के प्रयास करने का मॉडल था कि भविष्य में, वैसी विभीषिका को किसी भी रूप में फिर नहीं दोहराया जाए। दूसरी ओर, गोडसे कुनबे का विभीषिका स्मरण, बदले के सांप्रदायिक आख्यान में वैसी ही विभीषिका को दोहराने के लिए था। पहला, विभीषिका के घावों पर मरहम लगाने के लिए था और दूसरा, घावों को कुरेद-कुरेदकर नासूर बनाने का, जिससे वैसी विभीषिकाओं का रास्ता बनाने वाला जहर ही निकल सकता है। यही जहर गोडसे की रिवाल्वर से गोली बनकर निकला और एक और विभीषिका रच गया। दुर्भाग्य से, किंतु पूरी तरह से प्रत्याशित रूप से, नरेंद्र मोदी का 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' का फैसला मदनलाल पहवा-गोडसे आदि की धारा का ही विभीषिका स्मरण ज्यादा लगता है, गांधी की परंपरा का विभीषिका स्मरण कम। इस स्मरण की सबसे बड़ी समस्या तो यही है कि यह गांधी की तरह, विभाजन की विभीषिका को मनुष्यता की एकीकरणकारी दृष्टि से देखने का दिखावा तक नहीं करता है और उसे देश विभाजन से भी आगे, सांप्रदायिक विभाजन की नजर से ही देखने जा रहा है। जाहिर है कि इस स्मरण में, पाकिस्तान/ मुसलमान विभीषिका के कर्ता हैं और भारत/ हिंदू विभीषिका के शिकार! विभीषिका का ऐसा इकतरफा, झूठा और वास्तव में सांप्रदायिक स्मरण, अपने दायरे में वैसी ही विभीषिकाएं रचने के लिए उकसाने का ही काम कर सकता है। बेशक, विभीषिका स्मृति दिवस की घोषणा के अपने ट्वीट के पूरक के तौर पर, उसके साथ जोड़कर किए गए दूसरे ट्वीट में प्रधानमंत्री मोदी ने रस्मअदायगी के तौर पर यह भी जोड़ा है कि ''यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।'' लेकिन, इस रस्मअदायगी में भी जिस तरह सांप्रदायिक सौहार्द्र का उल्लेख तक करने से बचा गया है, वह इस स्मरण के पीछे की असली नियत का पता दे देता है। यह विभीषिका स्मरण तो और नई विभीषिकाएं रचने के लिए ही है।

राजस्थान में भाजपा ने कई नेताओं को 'सपना' दिखा दिया है इसलिए पार्टी एकजुट नहीं हो पा रही

के एम झा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी निष्पक्ष छवि के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। इसी के चलते उनको लोकसभा अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद दिया गया है। जहां वो अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे हैं।

राजस्थान भाजपा में इन दिनों वर्चस्व की लड़ाई छिड़ी हुई है। प्रदेश में भाजपा का नेता कौन हो इसके लिए सभी नेता अपने आप को आगे करने में लगे हुए हैं। केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनाए गए भूपेंद्र यादव ने जन आाशीर्वाद यात्रा निकाली। अपनी जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने राजस्थान में झुंझुंनूं, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर जिलों में विभिन्न स्थानों पर जनसभाएं कीं जिनमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि राजस्थान विधानसभा का अगला चुनाव भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। हालांकि इस इस तरह की चर्चा चलते ही भूपेंद्र यादव ने खुद को नेता प्रोजेक्ट करने की बात का खंडन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बनाये गये सभी नए मंत्रियों को अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में जन आशीर्वाद यात्रा निकालने को निर्देशित किया गया था। उसी के अंतर्गत वह राजस्थान के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों से अपनी जन आशीर्वाद यात्रा निकाल कर आम जनता से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। यादव ने स्पष्ट कर दिया कि वह कुछ दिनों पूर्व ही केंद्र सरकार में मंत्री बनाए गए हैं। उनका इरादा केंद्र सरकार में ही काम करने का है। प्रदेश की राजनीति में उतरने का उनका कोई इरादा नहीं है। केंद्रीय मंत्री यादव की यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अलावा प्रदेश के अन्य सभी बड़े नेता शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया झुंझुंनूं के अलावा अन्य सभी स्थानों पर यात्रा में साथ रहे।

केंद्र में मंत्री बनने के बाद भूपेंद्र यादव द्वारा निकाली गई जन आाशीर्वाद यात्रा में जुटे जन समर्थन को देखकर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का खेमा भी फिर सक्रिय हो गया है। वसुंधरा समर्थकों का प्रयास है कि वसुंधरा को ही नेता प्रोजेक्ट करवा कर उनके नेतृत्व में जनसम्पर्क अभियान चलाया जाए। मगर भाजपा आलाकमान उनकी नहीं सुन रहा है। वसुंधरा के कट्टर समर्थक पूर्व मंत्री डॉ. रोहिताश शर्मा को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद राजे समर्थकों के तेवर भी नरम पड़ गये हैं। उन्हें अंदेशा हो गया है कि यदि उन्होंने पार्टी लाइन को पार किया तो उसका बड़ा खामियाजा वसुंधरा राजे को उठाना पड़ सकता है। राजे स्वयं भी ऐसा कोई काम नहीं करना चाहती है। जिससे पार्टी आलाकमान को उनके खिलाफ कार्रवाई करने का मौका मिल सके। भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष होने के चलते सतीश पूनिया ही पार्टी को लीड कर रहे हैं। पूनिया संघ के करीबी माने जाते हैं। लो प्रोफाइल रहकर काम करने वाले पूनिया संगठन के विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं। प्रदेश के सभी जिलों में आम कार्यकर्ताओं तक उनकी सीधी पहुंच होने के कारण उनको कार्यकर्ताओं का पूरा समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी केंद्र की राजनीति के साथ ही प्रदेश में पूरे सक्रिय रहते हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जिले से हैं। लगातार दूसरी बार सांसद बने हैं तथा इस बार तो उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को बड़े अंतर से चुनाव हराया था। इसी के ईनाम स्वरूप उनको केंद्र में जल संसाधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। वसुंधरा राजे विरोधी गजेंद्र सिंह भी संघ के करीबी हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व केंद्रीय नेतृत्व उनको प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बनाना चाहता था। मगर वसुंधरा राजे के चलते उनकी नियुक्ति रुक गई थी। राजपूत समुदाय के गजेंद्र सिंह शेखावत प्रदेश में भाजपा के नए नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी निष्पक्ष छवि के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। इसी के चलते उनको लोकसभा अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद दिया गया है। जहां वो अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे हैं। बिरला लगातार पांच चुनाव जीत चुके हैं। जिनमें तीन बार विधायक व दो बार सांसद चुना जाना शामिल है। किसी गुटबाजी में नहीं रहने के कारण बिरला सभी के चहेते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण से दूसरी बार सांसद बने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी काफी सक्रिय रहते हैं। पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया है। नरेंद्र मोदी की पहली सरकार में राठौड़ सूचना एवं प्रसारण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। हालांकि उन्हें इस बार मोदी सरकार में मौका नहीं मिला मगर आज भी वह केंद्रीय नेतृत्व की पसंद बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहने के कारण वो हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। लोगों का मानना है कि आलाकमान ने उनको राजस्थान में रिजर्व में रखा है। जहां भी जरूरत होगी उनके उनको आगे कर दिया जाएगा।

जयपुर राजघराने की दीया कुमारी राजसमंद से सांसद हैं। इससे पूर्व वह सवाई माधोपुर से विधायक भी रह चुकी हैं। दो अलग-अलग जिलों में चुनाव जीत कर उन्होंने अपने जनाधार को साबित किया है। दीया कुमारी हर वक्त सक्रिय रहती हैं। इसी के चलते उनको भाजपा का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। वसुंधरा राजे को साइडलाइन किए जाने के बाद महिला नेता के रूप में उनको आगे बढ़ाया जा रहा है। समय आने पर भाजपा आलाकमान दीया कुमारी पर भी दांव लगा सकता है। इसीलिए उनको संगठन का पदाधिकारी बनाकर पार्टी की कार्यप्रणाली से वाकिफ करवाया जा रहा है।

कुल मिलाकर राजस्थान के भाजपा नेताओं में खुद को अगला नेता स्थापित करने की होड़ मची हुई है। इस दौड़ में शामिल सभी नेता चाहते हैं कि पार्टी आलाकमान उन्हें 2023 के विधानसभा चुनाव में नेता प्रोजेक्ट करे ताकि बहुमत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद के लिए उनका दावा मजबूत रहे। वैसे भी भाजपा आलाकमान राजस्थान में धीरे-धीरे युवा नेताओं को आगे बढ़ा रहा है। जिनमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, चूरू के सांसद राहुल कस्वा, गंगानगर के सांसद निहालचंद मेघवाल, चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी जैसे नाम प्रमुख हैं। राजस्थान में भाजपा के सभी युवा नेता वसुंधरा राजे के विरोध में तो एकजुट हो जाते हैं। मगर अंदर खाने एक दूसरे की टांग खिंचाई का कोई मौका नहीं चूकते हैं। नेताओं की आपसी लड़ाई के चलते ही प्रदेश में भाजपा विपक्ष की भूमिका सही ढंग से नहीं निभा पा रही है। पार्टी की आपसी लड़ाई के चलते ही राजस्थान में कर्नाटक, मध्य प्रदेश जैसा राजनीतिक खेल नहीं हो पाया। कांग्रेस नेता सचिन पायलट की बगावत के बाद भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आराम से शासन चला रहे हैं। हालांकि भाजपा के प्रभारी महासचिव अरूण सिंह कह चुके हैं कि आगामी चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर लड़ा जायेगा। किसी को नेता प्रोजेक्ट नहीं किया जायेगा। इसके उपरांत भी पार्टी नेताओं में आपसी खींचतान जारी है जो किसी भी दृष्टि से भाजपा के लिये ठीक नहीं है।

नई सदी के लोकगीत हैं ये आजाद गीत

कृष्ण प्रताप सिंह

भारत में गीतों की दुनिया बदल रही है। यूं दुनिया के हर कोने में लोकगीत होते हैं, पर भारत विलक्षण रूप से लोकगीतों का देश है। हमारी परंपरा में गीत महाकाव्यों के रूप में भी रहे हैं। इतिहास भी गीतों में लिखा गया, धर्म भी, नीतिशास्त्र भी, दर्शन भी। सिद्ध और प्रसिद्ध है कि कुछ भी अगर गीत में कह दिया जाए तो जनमानस तक आसानी से, तुरंत पहुंच जाता है। पिछली सदी में हिंदी पट्टी में गीतों की मुख्यधारा हमारे सिनेमा के गीतों की धारा रही है। संभव है कि इस सदी में यह सच बदल जाए, ऑल्टरनेटिव ही मेनस्ट्रीम हो जाए। साल भर से, लॉकडाउन में सिनेमा थिएटर तक नहीं आया। कुछ फिल्में ओटीटी पर आईं, उनके गीतों का वह पब्लिक मोमेंटम नहीं बना, जो हिंदी सिनेमा के गीतों का बनता है। गीत की सिनेमा से इतर सत्ता पश्चिम में रही है। हमारे यहां क्योंकि महाकाव्यों में कहानी कहने की परंपरा रही, उसी से सिनेमा में गीत अनिवार्य हिस्सा बनकर रहे हैं। जब भारतीय और खासकर हिंदी सिनेमा में महाकाव्यात्मक कहानी कहने की परंपरा पश्चिमी कहानी कहने की परंपरा से पिछड़ रही है, तो गीतों का स्वरूप बदला है। गीत अब बैकग्राउंड में बजते हैं, लिप्सिंग नहीं होती। कोरोना काल में लोगों के जीवन में संगीत की अहमियत और जरूरत फिर से स्थापित हुई। जितनी तसल्ली उनके मन को पुराने गानों से मिली होगी, उतनी ही भूख नए गानों की भी जागी होगी। तो आजाद गानों के लिए बड़ा अवसर बन गया। याद कीजिए सागर-मनोज वाजपेयी का 'मुंबई में का बा', नवाजुद्दीन सिद्दीकी का डेब्यू सिंगल 'बारिश की जाए' और गुलजार-विशाल भारद्वाज का 'धूप आने दो' इस समय के मशहूर सिंगल हैं, जो बॉलिवुड की तरफ से आए हैं। यहां गजेंद्र वर्मा का 'इसमें तेरा घाटा' को भी याद कर सकता हूं, जिसने हिंदी आजाद गीतों की परंपरा को नए सिरे से परिभाषित किया है। हिंदी सिनेमा की मुख्य धारा ने हाल के सालों में गीतों के कथ्य की विविधता को सीमित कर दिया। हालांकि शुरू से ही यह बहुत विविध नहीं रहा, पर जितनी भी विविधता थी, वह संकुचित हो गई। प्रेम के दो तीन शेड जैसे प्रेम की तलाश, प्यार मिलने की खुशी या ग्रेटिट्यूड, प्रेमपात्र से तात्कालिक दूरी, तड़प और विरह, आइटम नंबर और कभी कभार कोई जीवन दर्शन का गीत- कुल मिलाकर आज का अधिकांश हिंदी सिनेमाई गीत-संगीत इसी तक सिमटा हुआ है। जीवन की कितनी ही दशाएं अब गीतों में नहीं ढलतीं। इसकी एक वजह तो यह है कि ऐसे गीत बनते हैं, जो किसी भी फिल्म में लग जाएं। हिंदी सिनेमा के गीतों से छूटता जीवन का बहुरंगीपन आजाद गीतों यानी गैर फिल्मी गीतों के लिए उर्वर जमीन बन रहा है। और इसीलिए मेरी विनम्र स्थापना यह है कि ये नए आजाद गीत ही नई सदी के लोकगीत हैं।

पिछले कुछ दशकों में हिंदी आजाद गीतों की परंपरा अलीशा चिनॉय, अताउल्ला खान, अल्ताफ राजा, लकी अली, शेफाली जरीवाला से होते हुए बादशाह, बी प्रैक तक आई है। यह हमारे समय का संयोग मात्र नहीं है कि जयपुर के पारस कुहाड़ वाया अमेरिका मुंबई पहुंचते हैं, तो अंग्रेजी आजाद गीतों की दुनिया में अपनी पहचान वैश्विक कर चुके होते हैं। हिंदी से अलग उत्तर भारत की उन भाषाओं में जिनका सिनेमा बहुत व्यावसायिक, सक्रिय या समृद्ध नहीं है, आजाद गीतों की धमक बड़ी तेज है, जैसे- राजस्थानी और हरियाणवी।

बबूल से भी ज्यादा बलवान

इलाहाबाद के सैदाबाद में मेरा पैतृक गांव पड़ता है- धोकरी। बस से उतरने के बाद सैदाबाद से गांव तक की दूरी पैदल या अपने निजी वाहन से ही तय की जा सकती है। वहां की दो चीजें हमेशा मुझे खींचतीं। शिवपाल सिंह मार्ग और बड़े दालान पर लगी शिवपाल जी की प्रतिमा। उनकी ताकत के किस्से कई बार बाबा या पापा के मुंह से सुने थे। शिवपाल सिंह जमींदार के बेटे थे। उन्हें पहलवानी में महारत हासिल थी। अपने जीवन में उन्होंने जितने भी दंगल लड़े, सब जीते। उन्होंने अपने लिए अड्ढारह बकरियां पाल रखी थीं। एक टाइम में जितनी भी बकरियों का दूध निकलता, वह सब पी जाते। लकड़ी के चालीस किलो के दो मुगदरों से वर्जिश करते।उनकी ताकत की चर्चा अंग्रेजों के कानों में भी पड़ी। एक अंग्रेज ने उनकी ताकत की परीक्षा लेने की सोची। वह अपने घोड़े पर बैठ शिवपाल के घर की ओर चल पड़ा। रास्ते में उसे एक चरवाहा मिला। वह बबूल की डाल झुकाकर उसकी टहनियों को तोड़ अपनी बकरियों को खिला रहा था। अंग्रेज ने उससे पूछा, 'शिवपाल का घर कहां है' चरवाहा बोला, 'आपको उनसे क्या काम है' 'मैं उनसे कुश्ती लड़ने आया हूं।' अंग्रेज तनकर बोला। चरवाहे ने कहा, 'आप जरा मेरी यह डाल पकड़ कर खड़े रहिए। मैं अभी उन्हें बुला कर लाता हूं।' अंग्रेज राजी हो गया और घोड़े से उतरकर डाल पकड़ ली। डाल काफी मोटी थी। अंग्रेज के पकड़ते ही डाल ऊपर उठ गई और अंग्रेज लटक गया। 'मुझे उतारो, उतारोष्ठ' अंग्रेज चीखा। चरवाहा हंसने लगा। 'एक डाल तो पकड़ कर खड़े नहीं रह सकते, शिवपाल से लड़ने चले हो मैं ही शिवपाल हूं। बोलो लड़ोगे' और शिवपाल ने डाल खींच कर नीचे झुका दी। अंग्रेज शिवपाल की ताकत देखकर डर गया और नीचे उतरते ही वहां से भाग खड़ा हुआ। मगर शिवपाल को तो छला अपने ही लोगों ने। एक बार शिवपाल अपनी बहन के घर न्यौते गए। बहन के ससुराल वाले शिवपाल से जलते थे। उन्होंने बबूल का एक तगड़ा हरा पेड़ ऊपर से काटा और उसके तने को खूंटा बनाकर अपनी गाय बांध दी। शिवपाल अपने एक साथी के साथ घोड़े पर सवार होकर वहां पहुंचे। साथी ने ससुराल वालों से कहा, घोड़ा कहां बांधा जाए। ससुराल वाले बोले, वहां गाय का खूंटा गड़ा है, वहीं बांध लो। फिर सब शिवपाल के बखान और खातिरदारी में लग गए। बातों-बातों में किसी ने कहा, 'शिवपाल जी, आप तो बहुत ताकतवर हैं। जरा सा यह खूंटा उखाड़ देते। मुझे कहीं और गाड़ना है।' शिवपाल समझ चुके थे कि उनके साथ साजिश की जा रही है। मगर वे अपनी बहन के घर पर थे और यह उनके आत्मसम्मान का प्रश्न था। उन्होंने पूरी ताकत लगाकर खूंटा उखाड़ दिया।जब खूंटा बाहर आया तो जड़ों में जकड़ी कई वर्ग फीट मिट्टी भी साथ में ऊपर आ गई। शिवपाल की ताकत देख गांव वालों ने दांतों तले उंगलियां दबा लीं। मगर इस छल से शिवपाल ह्रदय से आहत हो चुके थे और वहां एक पल भी न रुके। अपने घोड़े पर बैठे और घर वापस लौट आए। **-सरस्वती रमेश**

टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के करीब पहुंची भाविनाबेन को पीएम मोदी ने फाइनल के लिए दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक फाइनल में पहुंची टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों ने पूरे देश को प्रेरित किया है। भाविना पटेल ने टेबल टेनिस इवेंट में इतिहास रच दिया है। भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों के महिला सिंगल्स के क्लास-4 के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल में चीन की मियाओ झांग को 3-2 (7-11, 11-7, 11-4, 9-11, 11-8) से हराया। पटेल ने दुनिया की तीसरे नंबर की चीनी खिलाड़ी को हराकर टोक्यो पैरालंपिक के फाइनल में प्रवेश किया और यह कारनामा करने वाली वह पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं।पीएम मोदी ने ट्वीट किया, ' भाविना पटेल को बधाई। आपने शानदार खेल दिखाया। पूरा देश आपकी सफलता के लिए प्रार्थना कर रहा है और कल आपकी हौसलाअफजाई करेगा। बिना किसी दबाव के अपना बेस्ट प्रदर्शन करें। आपकी उपलब्धियों से पूरा देश प्रेरित होगा। 12 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हुई पटेल ने कहा, ' मैं खुद को दिव्यांग नहीं मानती। मुझे हमेशा से यकीन था कि मैं कुछ भी कर सकती हूं और मैंने साबित कर दिया कि हम किसी से कम नहीं है और पैरा टेबल टेनिस भी दूसरे खेलों से पीछे नहीं है। मैंने चीन के खिलाफ खेला है और यह हमेशा कहा जाता है कि चीन को हराना आसान नहीं होता है। मैंने आज साबित कर दिया कि कुछ भी असंभव नहीं है। हम कुछ भी कर सकते हैं।'

गोल्ड मेडल से बस एक जीत दूर खड़ी टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने कहा- मैं खुद को दिव्यांग नहीं मानती

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो पैरालंपिक 2020 खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल ने शनिवार को कहा कि वह खुद को दिव्यांग नहीं मानती और टोक्यो खेलों में उनके प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि कुछ भी असंभव नहीं है। भाविना पटेल ने टेबल टेनिस इवेंट में इतिहास रच दिया है। भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों के महिला सिंगल्स के क्लास-4 के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल में चीन की मियाओ झांग को 3-2 (7-11, 11-7, 11-4, 9-11, 11-8) से हराया।

12 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हुई पटेल ने कहा, ' मैं खुद को दिव्यांग नहीं मानती। मुझे हमेशा से यकीन था कि मैं कुछ भी कर सकती हूं और मैंने साबित कर दिया कि हम किसी से कम नहीं है और पैरा टेबल टेनिस भी दूसरे खेलों से पीछे नहीं है। मैंने चीन के खिलाफ खेला है और यह हमेशा कहा जाता है कि चीन को हराना आसान नहीं होता है। मैंने आज साबित कर दिया कि कुछ भी असंभव नहीं है। हम कुछ भी कर सकते हैं। पटेल ने कहा कि खेल के मानसिक पहलू पर फोकस करने से उन्हें मैच के दौरान मदद मिली।उन्होंने कहा, ' मेरा दिन सुबह चार बजे शुरू हो जाता है और मैं ध्यान तथा योग के जरिए मानसिक एकाग्रता लाने का प्रयास करती हूं। मैचों के दौरान कई बार हम जल्दबाजी में गलतियां करते हैं और अंक गंवा देते हैं लेकिन मैंने अपने विचारों पर नियंत्रण रखा। मैं अपने कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मुझे तकनीक सिखाई। उनकी वजह से ही मैं यहां तक पहुंच सकी। साथ ही भारतीय खेल प्राधिकरण, टॉप्स, पीसीआई, सरकार, ओजीक्यू, नेत्रहीन जन संघ, मेरे परिवार को भी मैं धन्यवाद देती हूं। भविना अब बस गोल्ड मेडल जीतने से एक मात्र एक जीत दूर हैं। फाइनल में अब भविना का सामना चीन की ही एक और खिलाड़ी और वर्ल्ड-1 झोउ यिंग से होगा। फाइनल 29 अगस्त को सुबह 7:15 बजे से होगा। भविना इससे पहले, झांग के खिलाफ 11 मुकाबलों में भिड़ी थी, लेकिन वह अभी जीत दर्ज नहीं कर सकी थी। हालांकि आज उन्होंने पिछली सभी हार का बदला ले लिया।

पाक जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम मामले में नीरज चोपड़ा के सपोर्ट में आए बजरंग पुनिया, कहा- खेल नहीं सिखाता आपस में बैर रखना

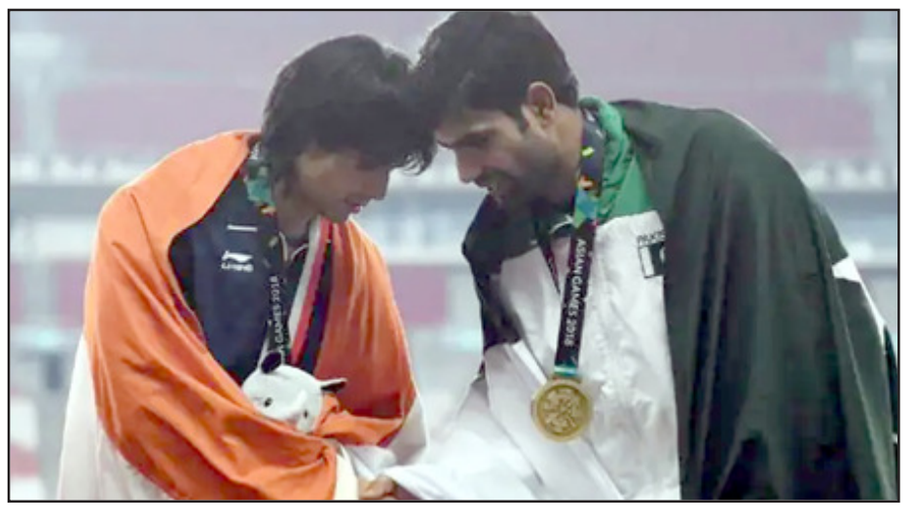

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भाला फेंक इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर इति?हास रचने वाले भारत के नीरज चोपड़ा ने हाल के समय में लोगों से अपील की थी कि वे अपने प्रोपेगेंडा और एजेंडे के लिए उनके नाम का इस्तेमाल नहीं करें। पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के चोपड़ा का जैवलिन लेने की घटना को लेकर मीडिया और समाचार चैनलों पर कई तरह की बातें की जा रही थी। इसके बाद खुद नीरज ने सोशल मीडिया पर आकर लोगों से अपना एजेंडा न चलाने की अपील की थी। इस पूरे मामले पर अब टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया ने नीरज का सपोर्ट किया है। एएनआई के मुताबिक, बजरंग ने कहा, ' पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम को लेकर नीरज चोपड़ा के साथ मुद्दा बनाया जा रहा है। एथलीट चाहे पाकिस्तान से हो या किसी अन्य देश से, वह अपने देश का प्रतिनिधित्व करता है। हम भले ही मैट पर या मैदान में प्रतिद्वंद्वी हो, लेकिन बाहर हम भाई-भाई हैं। खेल हमें आपस में बैर रखना नहीं और ना ही किसी के साथ भेदभाव करना सिखाता है। यह हमें एकजुट रहना सिखाता है।'

भाला को लेकर पाकिस्तानी एथलीट नदीम का बचाव करने बाद नीरज ने पाकिस्तान के लोगों का दिल जीत लिया। नदीम का सपोर्ट करने के लिए पाकिस्तान में नीरज की जमकर तारीफ हो रही है। लोग उन्हें असली चैंपियन और हीरो बता रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक के फाइनल से पहले उनका भाला पाकिस्तान के जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम ले गए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में ये जानकारी दी। इसके बाद भारत में कुछ लोग अरशद नदीम को ट्रोल करने लगे। उन्होंने अरशद नदीम पर जानबूझकर जैवलिन से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। इस विवाद के बाद नीरज चोपड़ा ने आगे आकर अरशद नदीम को डिफेंड किया। नीरज ने ट्विटर पर शेयर किए वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'मेरी आप सभी से विनती है कि मेरे कमेंट को अपने गंदे एजेंडा को आगे बढ़ाने का माध्यम न बनाए। स्पोर्ट्स हम सबको एकजुट होकर साथ रहना सिखाता है और कमेंट करने से पहले खेल के रूल्स जानना जरूरी होता है। जैवलिन थ्रो के नियमों के अनुसर एक एथलीट दूसरे एथलीट के जैवलिन को प्रैक्टिस के लिए इस्तेमाल कर सकता है और फाइनल में अरशद भी ऐसा कर रहे थे।'

टीम इंडिया की जर्सी पहनकर मैदान में घुसने वाले जार्वो पर लगा लगेगा लाइफटाइम बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दिन इंग्लिश फैन जार्वो ने खासी सुर्खियां बटोरी। भारत की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का विकेट गिरते ही इंग्लिश फैन मैदान में उतर गया था। जारवो को सुरक्षाकर्मियों को उठाकर मैदान से बाहर लेकर जाना पड़ा। शनिवार को यॉर्कशर काउंटी के सूत्रों ने बताया कि हेडिंग्ले मैदान पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दौरान मैदान में घुसने वाले यूट्यूबर डेनियल जार्विस उर्फ 'जार्वो69' को सुरक्षा में सेंध लगाने पर लाइफटाइम बैन किया जाएगा। उन्हें अब लीड्स मैदान में आने की अनुमति नहीं होगी। यॉर्कशर काउंटी के प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी पीटीआई-भाषा से कहा कि हम जार्वो पर आर्थिक जुर्माना भी लगाएंगे। जारवो लीड्स टेस्ट के तीसरे दिन रोहित के आउट होने के बाद बैटिंग गीयर पहनकर मैदान पर उतरा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जारवो भारतीय टीम की जर्सी पहनकर मैदान पर उतर गए थे। इस घटना की भी तब सोशल मीडिया में काफी चर्चा हुई थी। लॉर्ड्स के मैदान पर वह भारतीय टीम की जर्सी पहने था और टी शर्ट के पीछे उसका नाम लिखा था।

इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट में एक पारी और 76 रन से हराकर टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में खेले गए टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड ने भारत को दूसरी पारी में 278 रन ऑलआउट कर दिया। इंग्लैंड की तरफ से भारत की दूसरी पारी में ओली रोबिन्सन ने सबसे ज्यादा विकेट 5 चटकाए। भारत की तरफ से चेतेश्वर पुजारा ने सबसे ज्यादा 91 रन बनाए।

विराट कोहली ने बताया, किन गलतियों की वजह से हारे तीसरा टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला गया। इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट में एक पारी और 76 रन से हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने मैच खत्म होने के बाद कहा कि हमने बल्लेबाजी में कुछ गलतियां की। उन्होंने कहा कि आज सुबह इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की और हम सही से रिस्पोंड नहीं कर पाए।

गौरतलब है कि भारत की दूसरी पारी चौथे दिन लंच से पहले 278 रन ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से भारत की दूसरी पारी में ओली रोबिन्सन ने सबसे ज्यादा विकेट 5 चटकाए। वहीं भारत की तरफ से चेतेश्वर पुजारा ने सर्वाधिक 91 रन बनाए। विराट ने कहा,' हम जानते थे कि हम 80 रन के आउट हो गए थे और ये हमारे खिलाफ था। विपक्ष ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। हमने महत्वपूर्ण पार्टरनरशिप की। लेकिन आज सुबह इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार दबाव बनाया और हमने अच्छा रिस्पोंड नहीं किया। इस देश में बल्लेबाजी कभी भी बिखर सकती है।'विराट ने आगे कहा,' पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी। लेकिन इंग्लैंड ने गेंद के साथ अनुशासन दिखाया, जिसने हमें कुछ गलतियां करने के लिए मजबूर किया और जहां हम रन नहीं बना रहे थे, वहां स्पैलों से निपटना मुश्किल था। हमने बैटिंग साइड के तौर पर कुछ अच्छे फैसले नहीं लिए। पिच बल्लेबाजी करने के लिए अच्छी लग रही थी और जब इंग्लैंड ने बल्लेबाजी की तो यह ज्यादा नहीं बदली थी। इसलिए उन्होंने बल्लेबाजी में ज्यादा इंटेंट दिखाया और बेहतर निर्णय लिए। वे ईमानदारी से जीतना डिजर्व करते थे।

एक्स्ट्रा बल्लेबाज खिलाने के पक्ष में नहीं विराट कोहली, चौथे टेस्ट में दिए बदलाव के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के हाथों लीड्स टेस्ट में मिली शर्मनाक हार के बाद विराट कोहली के फैसलों पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला हो या फिर पांच स्पेशलिस्ट गेंदबाजों के साथ उतरने का निर्णय। भारतीय कप्तान ने अपने फैसले को सही ठहराया है। उन्होंने कहा कि उनको नहीं लगता है कि एक अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाने से टीम संतुलित हो जाएगी। इसके साथ ही विराट ने संकेत दिए कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में गेंदबाजी अटैक में बदलाव देखने को मिल सकता है। कोहली ने मैच के बाद ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम में एक अतिरिक्त बल्लेबाज को रखने के विचार को खारिज कर दिया। पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर कमेंट्री के दौरान कई बार टीम में एक अतिरिक्त बल्लेबाज को रखने की वकालत करते सुने गए। कोहली से जब छठे स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'आप स्पेशलिस्ट बल्लेबाज की बात कर रहे हैं? मैं उस संतुलन में विश्वास नहीं करता हूं और मैंने उस संतुलन पर कभी विश्वास नहीं किया क्योंकि या तो आप हार को बचाने की या फिर जीतने की कोशिश कर सकते हैं। हमने अतीत में इतने बल्लेबाजों के साथ कई मैच ड्रॉ किए हैं। अगर आपके टॉप छह (विकेटकीपर सहित) काम नहीं कर पा रहे तो इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अतिरिक्त बल्लेबाज आपके लिए मैच बच लेगा। आपको जिम्मेदारी लेने और टीम के लिए काम करने पर गर्व करना होगा।I के पेस अटैक में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा, 'अगर आपके पास टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता या संसाधन नहीं है, तो आप पहले से ही दो नतीजों के लिए खेल रहे हैं और यह हमारा खेलने का तरीका नहीं है। ऐसा होना लगभग तय है क्योंकि यह एक सही और समझदारी वाली बात है। हम गेंदबाजों पर काम का इतना दबाव नहीं डालना चाहते कि वह चोटिल हो जाए। हम उनसे साथ बातचीत करेंगे और आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि इतने कम समय में वे लगातार चार टेस्ट मैच खेले। इसलिए हम आकलन करेंगे कि किसे पांचवें मैच से पहले आराम की जरूरत है।'

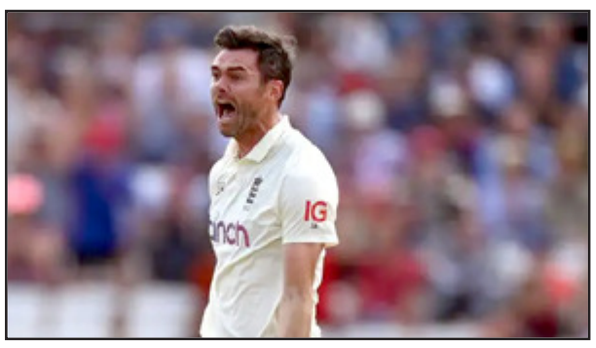

जेम्स एंडरसन ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में ये कारनामा करने पहले तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में खेले गए टेस्ट मैच में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वो टेस्ट क्रिकेट में अपने घर 400 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। भारत के उपकप्तान अंजिक्य रहाणे को आउट करके उन्होंने ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। इंग्लैंड से पहले अपने घर में 400 विकेट सिर्फ श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने लिए हैं। मुरधीरन ने टेस्ट क्रिकेट में अपने घर में 493 विकेट्स लिए हैं। जेम्स एंडरसन ने ये कारनामा इंग्लैंड में 94वें टेस्ट मैच खेलते हुए किया। अपने घर में खेले गए टेस्ट मैचों में सर्वाधिक विकेट लेने वालों में भारत के पूर्व लेग स्पिनर तीसरे नंबर पर हैं। उनके नाम 350 विकेट हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने घर में खेलते हुए 341 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वो तीसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे शेन वॉर्न और मुरलीधर हैं। इस लिस्ट में भी मुरलीधरन टॉप पर हैं।पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट की बात करें तो इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट में एक पारी और 76 रन से हराकर टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में खेले गए टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड ने भारत को दूसरी पारी में 278 रन ऑलआउट कर दिया। इंग्लैंड की तरफ से भारत की दूसरी पारी में ओली रोबिन्सन ने सबसे ज्यादा विकेट 5 चटकाए। रोबिन्सन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। भारत की तरफ से चेतेश्वर पुजारा ने सबसे ज्यादा 91 रन बनाए।

शतक से चूके चेतेश्वर पुजारा के नाम दर्ज हुआ अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट मैच के चौथे दिन भारत को खेल शुरू होते ही झटका लगा। चेतेश्वर पुजारा को 91 रन के स्कोर पर ओली रोबिन्सन ने एलबीडब्ल्यू किया। पुजारा अपने कल के स्कोर में एक रन भी नहीं जोड़ पाए। इसी के साथ चेतेश्वर पुजारा के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया। पुजारा पहले ऐसे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में 90 रन के बाद अपने ओवर नाइट स्कोर में बिना रन जोड़े आउट हो गए हैं।

पुजारा अब तक 6 बार अपने ओवर नाइट स्कोर में बिना रन जोड़े आउट हुए हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ पांच बार अपनेओवर नाइट स्कोर में बिना रन जोड़े बिना आउट हुए हैं। पुजारी की इस सीरीज में ये पहली फिफ्टी थी। उन्होंने अपनी 91 रन का पारी में 15 चौके जड़े। पुजारा जनवरी 2019 के बाद से सेंचुरी नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी सेंचुरी लगाई थी।

खबर लिखे जाने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में 239 रन पर पांच विकेट गंवा दिए हैं। पहली पारी के आधार पर भारत इंग्लैंड से अभी भी 115 रन पीछे हैं। भारत पर अब पारी की हार का खतरा मंडरा रहा है। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 432 रन बनाए थे। भारत की पहली पारी 78 रनों पर सिमट गई थी।

भारतीय बल्लेबाजों ने फिर किया शर्मसार, इंग्लैंड ने पारी और 76 रनों से जीता तीसरा टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला गया। इंग्लैंड ने भारत को हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर कर ली है। इंग्लैंड ने चौथे दिन भारत को दूसरी पारी को 278 रन ऑलआउट कर दिया गया। इसी के साथ इंग्लैंड ने भारत पर एक पारी और 76 रन से जीत हासिल की। इंग्लैंड की तरफ से भारत की दूसरी पारी में ओली रोबिन्सन ने सबसे ज्यादा विकेट 5 चटकाए। उनके अलावा क्रेगओवर्टन ने 3, जेम्स एंडरसन और मोईन अली ने 1-1 विकेट लिया।

भारत की तरफ से चेतेश्वर पुजारा ने सर्वाधिक 91 रन बनाए। उनके अलावा रोहित शर्मा ने 59 और विराट कोहली ने 55 रन बनाए। इन तीनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज क्रीज पर लंबे समय तक नहीं टिक सका। टेस्ट मैच के चौथे दिन भारत को खेल शुरू होते ही झटका लगा। चेतेश्वर पुजारा को 91 रन के स्कोर पर ओली रोबिन्सन ने एलबीडब्ल्यू किया। पुजारा अपने कल के स्कोर में एक रन भी नहीं जोड़ पाए। उन्होंने अपनी 91 रन का पारी में 15 चौके जड़े।इसके बाद विराट कोहली को रोबिन्सन ने 55 रन पर जो रूट के हाथों कैच करवाया। अंजिक्य रहाणे भी कुछ खास नहीं कर पाए। उन्हें 10 रन पर जेम्स एंडरसन ने विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों आउट कराया। ऋषभ पंत के रूप में भारत का छठां विकेट गिरा। रोबिन्सन ने उन्हें क्रेग ओवर्टन के हाथों आउट कराया। भारत का सातवां विकेट मोहम्मद शमी के रूप में गिरा। उन्हें 6 रन मोईन अली ने बोल्ड किया। इसके बाद इशांत शर्मा को दो रन पर राबिन्सन ने आउट किया। रवींद्र जडेजा के तौर पर भारत का नौवां विकेट गिरा। वो ओवरटन की गेंद पर 30 रन बनाकर आउट हुए। सिराज को शून्य रन पर आउट कर ओवरटन ने भारत की दूसरी पारी समेट दी। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 432 रन बनाए थे। भारत की पहली पारी 78 रनों पर सिमट गई थी।

अफगान में केरल के 14 जिहादी बनेंगे भारत की बड़ी टेंशन

बदनाम करने को इस्लामिक स्टेट ने रचा 'साजिशों का चक्रव्यूह'

नई दिल्ला (एजेंसी)। अफगानिस्तान के काबुल एयरपोर्ट पर धमाके के बाद एक एक ऐसी नई जानकारी सामने आई है, जिसेस भारत की चिंता बढ़ सकती है। काबुल पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान ने बगराम जेल से केरल के रहने वाले 14 लोगों को रिहा कर दिया और ये केरलवासी फिर जाकर आतंकी समहू इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत का हिस्सा हो गए। बताया जा रहा है कि बगराम जेल से तालिबान द्वारा रिहा किए जाने के बाद कम से कम 14 केरल के रहने वाले इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत की तरफ से काबुल में बड़े विस्फोट को अंजाम देने की साजिश में लगे हुए हैं।

यहां तक कि इनकी ओर से 26 अगस्त को काबुल में तुर्कमेनिस्तान दूतावास के बाहर एक आईईडी डिवाइस को विस्फोट करने की कोशिश भी की गई, जिसे नाकाम कर दिया गया और इसमें दो पाकिस्तानियों के पकड़े जाने की अपुष्ट रिपोर्टें भी हैं। अफगानिस्तान से मिली रिपोर्ट के मुताबिक, काबुल हक्कानी नेटवर्क के नियंत्रण में है क्योंकि ज़ादरान पश्तून पारंपरिक रूप से पाकिस्तान की सीमा से लगे अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में रहते हैं और जलालाबाद-काबुल पर प्रभाव रखते हैं। इतना ही नहीं, इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत नंगरहार प्रांत में भी सक्रिय है और अतीत में हक्कानी नेटवर्क के साथ काम कर चुका है। बता दें कि शुक्रवार को काबुल में हुए विस्फोट में करीब 200 से अधिक लोगों की मौतें हुई हैं, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक शामिल हैं। इस हमले की जिम्मेदारी इसी आतंकी संगठन ने ली थी।ऐसा समझा जा रहा है कि 14 केरलवासियों में से एक ने अपने घर से संपर्क किया, जबकि शेष 13 अभी भी काबुल में इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत यानी घख्स् आतंकवादी समूह के साथ फरार हैं। 2014 में इस्लामिक स्टेट ऑफ सीरिया और लेवंत के मोसुल पर कब्जा करने के बाद मलप्पुरम, कासरगोड और कन्नूर जिलों के रहने वाले केरलवासी मध्य पूर्व में जिहादी समूह यानी इस्लामिक स्टेट में शामिल होने के लिए भारत से चले गए थे। इसमें से कुछ आतंकियों के परिवार आईएसकेपी के तहत बसने के लिए अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में आ गए। यहां भारत की चिंता यह है कि ये आतंकी संगठन भारत को बदनाम करने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस बात को लेकर चिंतित है कि तालिबान और उनके हैंडलर्स अफगानिस्तान में आतंकवादी कृत्यों में लिप्त होकर इन कट्टरपंथी केरलवासियों का उपयोग भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए कर सकते हैं।

अफगानिस्तान के कपिसा में भी तालिबान को तगड़ी चोट, सीजफायर तोड़ने पर पंजशीर के लड़ाकों ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर कब्जा जमा चुके तालिबान को कपिसा प्रांत में बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। यहां पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के नेतृत्व में मुकाबला कर रहे नेशनल रिज़िस्टन्स फोर्स ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। दोनों गुटों के बीच यह जंग कपिसा प्रांत के संजन और बगलान के खोस्त वा फेरेंग जिले में हो रही है। पंजशीर में संघर्षविराम के उल्लंघन की वजह से सालेह के लड़ाकों ने तालिबान पर पलटवार किया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, तालिबान और रिज़िस्टन्स फोर्स के बीच रविवार को भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें तालिबान को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। तालिबान ने सीजफायर का उल्लंघन किया जिसके बाद उसे मुंह की खानी पड़ी। बताया जा रहा है कि पंजशीर की सीमा पर तालिबान ने सीजफायर का उल्लंघन किया था, जिसके बाद रिज़िस्टन्स फोर्स ने पलटवार किया और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

पंजशीर एकमात्र वह प्रांत है जिसे तालिबान अभी तक कब्जा नहीं सका है, जिसने अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बीच 15 अगस्त को तालिबान में प्रवेश के साथ देश को अपने नियंत्रण में ले लिया है। तालिबान पर यह पलटवार ऐसे समय पर हुआ है, जब एक दिन पहले ही इस्लामिक स्टेट ने काबुल एयरपोर्ट के बाहर फिदायीन हमला करके 13 अमेरिकी सैनिकों सहित 150 से अधिक लोगों की जान ले ली।इस हमले के बाद सालेह ने आतंकवाद के खिलाफ दुनिया से एकजुट होने की अपील की।

मध्य प्रदेशः चोरी के शक में आदिवासी युवक को भीड़ ने पीटा फिर ट्रक से बांध कर घसीटा, मौत के बाद 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में एक आदिवासी युवक को चोरी के शक में पहले भीड़ ने पीटा और फिर इस युवक को पिक-अप ट्रक से बांध कर घसीटा गया। इंसान के साथ क्रूरता की हदें पार कर देने की यह घटना नीमच की है। इस भयानक वारदात के बाद युवक की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि युवक ने पुलिस हेल्पलाइन नंबर भी डायल किया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने बुरी तरह से घायल इस युवक को नजदीक के कम्यूनिटी हेल्थ सेंटर में भर्ती कराया था। जहां से उसे नीमच जिला अस्पताल रेफर किया गया। इस अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है।

45 साल के इस युवक के साथ यह घटना गुरुवार को जेटिया गांव में हुई है। इस घटना का एक वीडियो फुटेज भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में नजर आ रहा है कि युवक की बेरहमी से पिटाई की जा रही है। भीड़ से युवक उसे बख्श देने की गुहार लगा रहा है लेकिन उसकी कोई नहीं सुनता। बेरहमी से पिटाई किये जाने के बाद युवक को एक पिक-अप ट्रक से बांध दिया गया और फिर उसे सड़क पर सरेआम घसीटा गया। मृतक युवक की पहचान कान्हा उर्फ कन्हैया भेल के तौर पर हुई है। यह युवक बांदा गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों की पहचान की है। इनमें से 5 लोगों पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में नीमच के पुलिस अधीक्षक सूरज वर्मा ने कहा कि वायरल वीडियो से आरोपियों की पहचान में मदद मिली है। घटना में शामिल अन्य लोगों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में हत्या, अनुसूचित जाति/जनजाति एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इस बारे में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमल नाथ ने ट्वीट किया।

यूपी : अगले सप्ताह योगी मंत्रिमंडल का हो सकता है विस्तार, जितिन प्रसाद समेत कई नेता बन सकते हैं मंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार अगले हफ्ते होने के आसार हैं। राष्ट्रपति के यूपी दौरा पूरा हो जाने के बाद किसी भी दिन नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जा सकती है। भाजपा नेतृत्व मंत्रिमंडल में शामिल होने वालों के नामों पर जल्द ही अंतिम निर्णय लेगा। इसके साथ ही विधान परिषद में मनोनयन के लिए चार नामों पर भी मुहर लग जाएगी। कैबिनेट विस्तार की संभावित तिथि एक या दो सितंबर मानी जा रही है। जिन नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। उनमें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए जितिन प्रसाद को ब्राहमण चेहरे के तौर पर लिया जा सकता है। इसके अलावा पिछड़े वर्ग को साधने के लिए खासी अहमियत दी जाएगी। इसी रणनीति के तहत निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद और अपना दल

(सोनेलाल) के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल का नाम तय माना जा रहा है। पहले चर्चा थी कि रक्षाबंधन के बाद योगी कैबिनेट का विस्तार होगा। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का निधन हो गया। इस वजह से मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों पर कुछ दिनों के लिए विराम लग गया था। विस्तार के माध्यम से भाजपा विधानसभा चुनाव 2022 के नजरिए से राज्य में जातीय व क्षेत्रीय संतुलन को साधेगी।

त्यौहारों में सतर्क हो जाएं राज्य, कोरोना में तेजी के बीच सरकार ने बढ़ाई महामारी गाइडलाइंस की तारीख

नई दिल्ला (एजेंसी)। कुछ राज्यों में बढ़ते कोविड -19 मामलों के मद्देनजर, गृह मंत्रालय ने शनिवार को कोरोना वायरस महामारी के लिए मौजूदा दिशानिर्देशों को 30 सितंबर तक बढ़ा दिया। मंत्रालय ने राज्यों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि इस दौरान त्यौहारी मौसम में कोई बड़ी आयोजन न हो।इसमें कहा गया है कि अधिक मामलों वाले राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को अपने जिलों में रोकथाम के उपाय करने चाहिए ताकि मामलों में स्पाइक को प्रभावी ढंग से रोका जा सके। संभावित उछाल की चेतावनी के संकेतों को जल्दी पहचानने और प्रसार को रोकने के लिए उचित उपाय करना महत्वपूर्ण है। ताजा दिशानिर्देशों में, मंत्रालय ने राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को आगे आने वाले त्योहारों के मौसम में बड़ी सभाओं से बचने के लिए उपयुक्त उपाय करने की सलाह दी जाती है और यदि आवश्यक हो, तो ऐसे बड़े समारोहों को रोकने के लिए स्थानीय प्रतिबंध लागू करें। सभी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर कोविड नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। हमें कोविड-19 के प्रभावी प्रबंधन के लिए पांच-स्तरीय रणनीति - टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखने की जरूरत है। होम सचिव अजय भल्ला ने एक बयान में ये जानकारी दी है।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस के नए मामलों में एक बार फिर से इजाफा हुआ है। बीते 24 घंटे में देशभर में 46,759 नए मामले सामने आए हैं, तो 509 लोगों की वायरस की वजह से जान गंवा दिया है। बीते 24 घंटे में 1 करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना वैक्सीन लगी है। दैनिक पॉजिटिव केस 2.66 फीसदी है।

अफगानिस्तान में सत्ता मिलने के बाद भी क्यों सामने नहीं आता तालिबान का सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा तस्वीर भी सिर्फ एक

नई दिल्ली (एजेंसी)। काबुल पर कब्जा करने के बाद तालिबान लड़ाके अब मीडिया के सामने आ रहे हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं लेकिन तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा इस मामले में अपवाद है। कई मीडिया एजेंसी उनकी तस्वीरें खंगाल रही हैं लेकिन सभी के पास सिर्फ एक तस्वीर है। तालिबान ने अब तक अपने सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा की सिर्फ एक तस्वीर रिलीज की है। दुनिया को हिबतुल्लाह अखुंदजादा के बारे में कुछ ख़ास नहीं पता है। वह इस्लामी छुट्टियों के दौरान सिर्फ एक सालाना संदेश जारी करते हैं। हिबतुल्लाह अखुंदजादा के ठिकाने के बारे में पूछे जाने पर हाल ही में तालिबान ने प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था, 'भगवान की मर्जी से आप उन्हें जल्द ही देखेंगे।'

अखुंदजादा 2016 से तालिबान के प्रमुख हैं। 2016 में अमेरिकी ड्रोन हमले में अख्तर मोहम्मद मंसूर के मारे जाने के बाद अखुंदजादा उनके उत्तराधिकारी बनाए गए थे। वह सोवियत आक्रमण काल में इस्लामी प्रतिरोध में शामिल रहे हैं। वह सैन्य कमांडर की तुलना में एक धार्मिक नेता के तौर पर अधिक लोकप्रिय हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पिछले तालिबान शासन के दौरान अखुंदजादा सर्वोच्च न्यायालय के

उप प्रमुख थे। 2001 के बाद तालिबान के पतन के बाद, वह धार्मिक विद्वानों के समूह की परिषद के प्रमुख बनाए गए थे।

उनके बारे में कई बार बताया गया है कि वह बीमार रहते हैं। कोरोना काल में यह भी बताया गया कि वह कोविड पॉजिटिव हो गए थे। कई बार ऐसा भी कहा गया है कि अमेरिकी बमबारी में उनकी मौत हो गई है। लेकिन इन अफवाहों का कोई आधार नहीं रहा है। हाल ही में हिबतुल्लाह अखुंदजादा को लेकर पूछे गए सवाल में तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था, 'भगवान की मर्जी से आप उन्हें जल्द ही देखेंगे। तालिबान नेतृत्व के लिए यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि अधिकतर टॉप नेता छिपे हुए रहे हैं। तालिबान के संस्थापक मुल्ला मोहम्मद उमर तो किसी से मिलना तक पसंद नहीं करते थे। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और इन कारणों में सुरक्षा सबसे प्रमुख कारण है। पाकिस्तान स्थित सुरक्षा विश्लेषक इम्तियाज गुल ने मामले को लेकर न्यूज़ एजेंसी एएफपी को बताया, 'तालिबान खुद को जिहाद की स्थिति में तब तक मानता है जब तक विदेशी सैनिक अफगान धरती पर हैं और अपने नेता को उनके जाने तक छिपाए रखेंगे। यही कारण है कि टॉप लीडर सामने नहीं आ रहे हैं।

जम्मू कश्मीरः लश्कर और हिज्बुल ड्रग्स से फैला रहे आतंकवाद, 7 मददगारों के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान पोषित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा और हिज़ुबल मुजाहिद्दीन जम्मू और कश्मीर में नशे के कारोबार को फैला रहे हैं और अपने खतरनाक मंसूबों के लिए फंड जुटाने में लगे हुए हैं। हंदवाड़ा-नार्को टेररिज्म केस में पकड़े गए 7 आरोपियों से पूछताछ के बाद यह पता चला है कि इन दोनों ही संगठनों के आतंकवादी जम्मू और कश्मीर में गहरी पैठ बना चुके हैं और इस केंद्र शासित प्रदेश में अशांति फैलाने की पूरी कोशिश में जुटे हैं।

पिछले साल 11 जून को हंदवाड़ा पुलिस थाने में इन सभी

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इनके खिलाफ सपलिमेंट्री चार्जशीट दायर की है जिसमें कई अहम बातें कही गई हैं। इस चार्जशीट में बताया गया है कि यह सभी आरोपी जम्मू कश्मीर में एक गहरी साजिश में शामिल थे। इस साजिश के तहत ड्रग्स की खरीद-फरोख्त और भारत के विभिन्न हिस्सों से आतंकी संगठन के लिए फंड जुटाने का काम शामिल था। यह सभी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा और हिज्बुल मुजाहिद्दीन से जुड़े हुए थे। बताया गया है कि इस फंड का इस्तेमाल संगठन के ओवर ग्राउंड वर्क्स के जरिए जम्मू कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए किया जा रहा है। पुलिस ने जिन सात लोगों को पकड़ा है उनमें शौकत सलाम पैरी, असिफ गुल, अल्ताफ अहमद शाह, रोमेश कुमार, मुद्दसीर अहमद डार, अमितन अलाई और अब्दुल राशिद शामिल हैं। यह सभी जम्मू कश्मीर के रहने वाले हैं। यह सभी अभी जेल में बंद हैं।

काबुल धमाकों से भी नहीं बदला अमेरिका का मन, 31 अगस्त की डेडलाइन पर अब भी कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान राज के बाद अफरातफरी के बीच अमेरिका का काबुल से लोगों का निकालना जारी है। इस बीच हुए गुरुवार को हुए बम धमाकों से साफ

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

है कि अमेरिका का निकासी मिशन सुरक्षित नहीं है। हालांकि, आईएसआईएस के आतंकी हमलों के खतरों के बीच अमेरिका 31 अगस्त तक की डेडलाइन तक इवैक्वेशन मिशन पर कायम है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने कहा कि वहां हमेशा खतरा बना हुआ है और हमारे जवान इस सबके बीच अब भी वहीं हैं। यह हमारे मिशन का सबसे खतरनाक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मिशन अब खत्म होने की तरफ है. सैन्य कमांडर और जवान हथियार समेत वापस आ रहे हैं। गौरतलब है कि अफगान में तालिबान का राज शुरू होने के बाद से ही अफरातफरी का माहौल है। गुरुवार को अफगानिस्तान के काबुल हवाई अड्डे के पास हुए सीरियल बम धमाकों में अमेरिका के 13 जवानों की मौत हो गई है। काबुल एयरपोर्ट पर हुए दिल दहला देने वाले धमाकों में 12 अमेरिकी नौसैनिकों और एक नौसेना का चिकित्साकर्मी शामिल था। हालांकि, इन बम धमाकों में अब तक कुल 72 लोगों के मारे जाने की खबर है।

ईरान परमाणु समझौते को लेकर बाइडन ने कहा, कूटनीति विफल हुई तो और भी रास्ते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायली पीएम नफ्ताली बेनेट से कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने से पहले कूटनीतिक रास्ते का सहारा ले रहे हैं। लेकिन अगर वार्ता विफल होती है तो वह अन्य उपायों की ओर रुख करेंगे। काबुल में हुए आत्मघाती हमले के कारण दोनों नेता तय समय से एक दिन बाद मिले हैं। इस मुलाकात में ईरान पर विशेष बातचीत हुई है।जो बाइडन ने नफ्ताली बेनेट से कहा है कि, 'हमने ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित नहीं करने की प्रतिबद्धता को लेकर बातचीत की है। हम कूटनीति को पहले रख रहे हैं और हम देखेंगे कि यह हमें कहां ले जाता है। लेकिन अगर कूटनीति विफल हो जाती है, तो हम अन्य विकल्पों की ओर मुड़ने को तैयार हैं।

तालिबान की तरफदारी में व्यस्त पाकिस्तान में पानी की किल्लत, बूंद-बूंद के लिए तरस रहे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से पाकिस्तान लगातार तालिबान की तरफदारी में जुटा हुआ है। तालिबान ने हाल ही में पाकिस्तान को अपना घर बताया था और कहा था कि दोनों की सीमाएं लगती हैं और दोनों का मजहब भी एक ही है। पाकिस्तान का तालिबान प्रेम भी दुनिया ने देखा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री तालिबानी नेतृत्व से मुलाकात कर चुके हैं तो वहीं पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर तालिबान के लिए अपील कर चुका है। बहरहाल तालिबान के प्रेम में डूबे पाकिस्तान की हालत यह है कि वहां लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। सिंध इलाके में पीने के पानी और सिंचाई के पानी की जबरदस्त किल्लत हो

गई है। पाकिस्तान प्रशासन ने क्षेत्र में कैनालों के बहाव को कम कर दिया है जिसकी वजह से वहां पीने और सिंचाई के लिए पानी की किल्लत हो गई है।

सिंध प्रक्षेत्र में आने वाले सभी तीनों बैराजों में पानी की कमी हो गई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक सिंचाई के लिए वहां रोटेशन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है ताकि किसी तरह खेतों में पानी पहुंचाया जा सके। सिंध के अलावा ब्लूचिस्तान प्रांत में भी पानी की भारी किल्लत हो गई है।

बताया जा रहा है कि यहां बैराज अथॉरिटी ने दो मुख्य कैनालों रोहरी तथा नारा में पानी के बहाव को कम किया है। बताया जा रहा है कि ब्लूचिस्तान स्थिति गुड्डू बैराज में 9 प्रतिशत और सुक्कूर बैराज में 35 फीसदी पानी की कमी है। कभी कोटरी बैराज में अगस्त के महीने में 9,000 क्यूसेक लीटर पानी था जो बहाव रोकने की वजह से 25 अगस्त को 397 क्यूसेक पर पहुंच गया।

सिंचाई विभाग के आकड़े बताते हैं कि कोटरी बैराज में अधिकतम 250,345 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ है। पाकिस?तान का मौसम विभाग पहले ही सिंध के दस जिलों में सूखा पड़ने की आशंका जता चुका है। सिंचाई मंत्री सियाल का कहना है कि प्रांत में बारिश नहीं हुई है। कृषि के लिए पानी नहीं है और इंसानी जरूरत को पूरा करने लायक भी पानी सिंध में नहीं बचा है। यदि जल्द बारिश नहीं होती, हाल बेहाल हो सकते हैं और कई अन्य जिले सूखे की चपेट में आ सकते हैं, इसमें कराची भी शामिल है।